Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 182 | शनिवार, 11 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सुप्रीम कोर्ट में हाई-वोल्टेज ड्रामाः बीच सुनवाई जज पर फेंके कागज, फिर गाली देते हुए बोला- इसे सीजेआई को दे देना

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में नाटकीय हालात देखने को मिले, जब इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर सुनवाई के दौरान, खुद पेश हुए एक शिकायतकर्ता ने बेंच की तरफ कागजात फेंके और अपशब्द कहे। सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत कोर्ट रूम से बाहर निकाल दिया।

यह घटना जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। कोर्ट रूम का माहौल तब तनावपूर्ण हो गया जब याचिकाकर्ता ने जजों से बात करते हुए असामान्य रूप से आक्रामक लहजा अपनाया।

शिकायतकर्ता ने अपनी दलीलों की शुरूआत में कहा कि माननीय न्यायिक सेवक, मैं आपको लखनऊ के एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देता हूं। इस टिप्पणी से अचंभित होकर न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूछा कि आप मुझे आदेश दे रहे हैं?

आप हमें आदेश दे रहे हैं? कोर्ट में जवाब देते हुए शिकायतकर्ता ने कहा कि मेरी तरफ से बस इतना ही है। सब कुछ रिकॉर्ड पर है। लाइव लॉ के अनुसार, इसके कुछ ही देर बाद मामला तब और बढ़ गया जब याचिकाकर्ता ने अपने केस के कागजात हवा में उछाल दिए और आरोप है कि चीफ जस्टिस के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत उस बेंच का हिस्सा नहीं थे। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत दखल दिया और उन्हें कोर्टरूम से बाहर निकालकर स्थिति को सामान्य किया।

इस पूरी घटना के दौरान बेंच शांत रही और उसने इस गुस्से भरी प्रतिक्रिया पर कोई जवाब नहीं दिया। यह घटना इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान हुई।

शिकायतकर्ता, मामले और उसके बाद की किसी भी कार्रवाई के बारे में और जानकारी तुरंत उपलब्ध नहीं थी।

कर्नाटक के उडुपी में पलटी स्कूल बस, आठ छात्र घायल, एक की हालत गंभीर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के उडुपी जिले में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां एक निजी स्कूल बस के पलट जाने से आठ छात्र घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घायल छात्रों में से एक की हालत काफी गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना मणिपाल पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत आने वाले सरलेबेट्टू में कोडंगे मंदिर के पास घटित हुई। हादसा उस समय हुआ जब स्कूल बस का चालक वाहन को पीछे कर रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बस पलट गई। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने सक्रियता दिखाते हुए बच्चों को बस से बाहर निकालने में मदद की। इसके बाद सभी घायल छात्रों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल, मणिपाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

'मुझे चुप कराने के लिए आपको मुझे मारना पड़ेगा', ममता की खुली चुनौती से बढ़ेगा सियासी पारा?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो संदेश में ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला और सत्ताधारी दल पर टीएमसी के नेताओं और कार्यकताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने कहा कि 'अगर सत्तारूढ़ पार्टी उन्हें चुप कराना चाहती है या टीएमसी को खत्म करना चाहती है तो उसके लिए पहले उन्हें मुझे मारना होगा।'

वीडियो संदेश में ममता बनर्जी ने टीएमसी पार्टी में हो रही बगावत और टीएमसी नेताओं के कथित शोषण पर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं को डराने-धमकाने में लगी है।

ममता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी के कई नेताओं पर हमले हुए हैं और उनका अपमान किया गया है। इनमें महुआ मोइत्रा, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

ममता बनर्जी ने कहा, 'आप ने किस पर हमला नहीं किया है? आपने महुआ, अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी पर हमला किया। आपने मेरे घर पर हमला किया।' ममता बनर्जी का यह वीडियो संदेश ऐसे समय आया है, जब टीएमसी पार्टी बड़ी चुनौतियों से निपट रही है। पार्टी में अंदरुनी मतभेद और बगावत उभरी है और पार्टी में टूट का खतरा है। बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को करीब 60 विधायकों का समर्थन मिला हुआ है। ममता बनर्जी ने वीडियो संदेश में दावा किया कि उनके कई सहयोगियों से पुलिस हिरासत में अमानवीय व्यवहार किया गया। टीएमसी प्रमुख ने कहा, 'मेरे कई सहयोगी जेल में बंद हैं, उन्हें फर्श पर सोने को मजबूर किया जा रहा है। कुछ को कमर में रस्सियां और पैरों में हथकड़ियां डालकर घुमाया जा रहा है। कुछ के सिर मुंडवा दिए गए हैं। कईयों पर घिनौनी चीजें फेंकी गई हैं, जिनका जिक्र करना भी शर्मनाक है।'

तृणमूल कांग्रेस में टूट जारी

ममता बनर्जी का यह वीडियो संदेश ऐसे समय सामने आया है, जब उनकी पार्टी में लगातार टूट जारी है। गुरुवार को टीएमसी के तीन पूर्व सांसद भाजपा में शामिल हो गए। इनमें सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर राय और प्रकाश चिक बराइक का नाम शामिल है। कोलकाता के साल्ट लेक स्थित भाजपा कार्यालय में तीनों नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ली। गुरुवार को ममता बनर्जी ने एक बयान में बागी नेताओं को निशाने पर लिया था और उन पर पार्टी के साथ गद्दारी करने का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने कहा कि 'लोगों को उन टीएमसी नेताओं को माफ नहीं करना चाहिए, जो गद्दार हैं और भाजपा के साथ मिल गए हैं। दो नावों पर सवार होने की कोशिश न करें, अभी भी पीछे मुड़कर देखने और बर्बरता पर ध्यान देने की जरूरत है।'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सुप्रीम सुनवाई की तारीख तय, निष्पक्ष जांच की अपील पर अदालत क्या बोली?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर 13 जुलाई को सुनवाई करेगा। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी।

इस बीच ट्रस्ट सदस्य महंत दिनेंद्र दास ने चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के वीआईपी दर्शन पास आईडी ब्लॉक होने की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि पास पहले की तरह जारी हो रहे हैं। उन्होंने यूपी पुलिस और प्रशासन पर पूरा भरोसा जताया।

उधर, एसआईटी की प्रारंभिक जांच में राम मंदिर के दान गिनती कक्ष में गंभीर सुरक्षा चूक सामने आई है। जांच के अनुसार, CCTV फुटेज में 27 अप्रैल से 5 जून के बीच करीब 70 संदिग्ध घटनाएं मिलीं, जिनमें कुछ कर्मचारी कपड़ों, जेबों और जूतों में नकदी छिपाते दिखाई दिए।

एसआईटी का मानना है कि कथित गबन एक व्यवस्थित और बार-बार होने वाली गतिविधि थी।

हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप क्यों कराया था? : सीएम योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (SP) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाती रही हैं और जो लोग अब आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने ही अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ने की कोशिश की थी। अयोध्या में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग अब भगवान राम और आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने ही हाल ही में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ने की कोशिश की थी।

अपनी आलोचना को और तेज करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों ने हमेशा अयोध्या के विकास का विरोध किया है और उन प्रोजेक्ट्स का मजाक भी उड़ाया है जो अब हकीकत बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि किसी ने सोचा भी नहीं था कि अयोध्या में एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। समाजवादी पार्टी के नेता इस विचार का मजाक उड़ाते थे। आज अयोध्या में एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, लेकिन वे इसके नाम से खुश नहीं हैं क्योंकि इसका नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है।

हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़ने की कथित घटना का ज़िक्र करते हुए, आदित्यनाथ ने सवाल किया कि ऐसी हरकत की इजाजत क्यों दी गई और इसकी तुलना पूजा-पाठ की दूसरी जगहों पर होने वाली धार्मिक गतिविधियों से की।

उन्होंने कहा कि जरा सोचिए– क्या कोई कभी जामा मस्जिद के अंदर हनुमान चालीसा का पाठ कर सकता है? क्या कोई सरकार ऐसा करवा सकती है?

क्या कांग्रेस या समाजवादी पार्टी ऐसा करवा सकती हैं? अगर वे ऐसा नहीं कर सकते, तो फिर इस काम की इजाजत क्यों दी गई? अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर ऐसा क्यों किया गया?

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने का श्रेय भी बीजेपी को दिया, साथ ही कांग्रेस और एसपी पर भगवान राम के अस्तित्व पर शक करने का आरोप लगाया। आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाती थीं। बीजेपी सरकार के सत्ता में आने के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ।

उनके ये बयान राम मंदिर से जुड़े चंदे को लेकर मचे राजनीतिक विवाद के बीच आए हैं, जिसमें बीजेपी और विपक्ष अयोध्या और मंदिर प्रोजेक्ट से जुड़े मुद्दों पर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

करूर भगदड़ पीड़ितों को मिलेगी सरकारी नौकरी, मद्रास हाई कोर्ट ने लगाया ये बड़ा कानूनी पेंच

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मद्रास हाई कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार को पिछले साल करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को सरकारी नौकरी देने की मंजूरी दे दी, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि ये नियुक्तियां अस्थायी होंगी और न्यायिक समीक्षा के नतीजे पर निर्भर करेंगी। दुरै बेंच के जस्टिस सीवी कार्तिकेयन और आर शक्तिवेल की डिवीजन बेंच ने कहा कि सरकार के नीतिगत फैसले में कोर्ट का दखल देना बहुत संकीर्ण सोच होगी। बेंच ने राज्य को शुक्रवार दोपहर को होने वाले उस सार्वजनिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी, जिसमें मृतकों के परिवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे जाने थे। 'लाइव लॉ' की एक रिपोर्ट के अनुसार, बेंच ने कहा सरकार के नीतिगत फैसले में कोर्ट का दखल देना बहुत संकीर्ण सोच होगी। इसलिए राज्य इस शर्त पर कार्यक्रम को आगे बढ़ा सकता है कि नौकरी अस्थायी आधार पर होगी और यह न्यायिक समीक्षा के अधीन होगी। हमारा इरादा इस महीने के आखिर तक, यानी नौकरी पाने वालों को पहली सैलरी मिलने से पहले, इस मामले की सुनवाई करने का है।

कोर्ट ने तमिलनाडु पब्लिक सर्विस कमीशन के मेंबर सेक्रेटरी को भी खुद से इस मामले में एक पक्ष के तौर पर शामिल किया और उनसे दया के आधार पर नौकरी (कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट) के नियमों और क्या इस मामले में उन नियमों का पालन किया गया, इस पर रिपोर्ट जमा करने को कहा। ये टिप्पणियां मदुरै के वकील थीरन थिरुमुरुगन की याचिका पर सुनवाई के दौरान की गईं। उन्होंने पिछले साल सितंबर में करूर भगदड़ में मारे गए 41 लोगों के परिवारों को सरकारी नौकरी देने के TVK सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार को नियुक्ति आदेश जारी करने या लागू करने से रोकने के निर्देश देने की मांग की, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट में इस त्रासदी से जुड़ी कार्यवाही पूरी न हो जाए। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी त्रासदियों में पीड़ितों के परिवारों को स्थायी सरकारी नौकरी देने के लिए कोई एक जैसी नीति नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि एक मामले में नौकरी देने से संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के तहत समानता और समान अवसर के संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन हो सकता है। याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि हर योग्य नागरिक को सरकारी नौकरी के लिए मुकाबला करने का संवैधानिक अधिकार है और ऐसी नियुक्तियों के लिए स्पष्ट नीति न होने के कारण सरकार का फैसला मनमाना और असंवैधानिक था।

याचिकाकर्ता ने यह भी तर्क दिया कि करूर त्रासदी से संबंधित मामले सर्वोच्च न्यायालय में लंबित होने के कारण, इस स्तर पर अपरिवर्तनीय प्रशासनिक लाभ प्रदान करने से अनावश्यक कानूनी और प्रशासनिक जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता ने कहा कि प्रस्तावित नियुक्तियां अनुकंपा नियुक्तियों से संबंधित मौजूदा नियमों के विपरीत हैं, जिनका कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है।

मैंने पुलिस पर भरोसा किया, उन्होंने ही, सीएम विजय ने करूर त्रासदी के घाव को किया याद, बोले- यह दर्द कभी नहीं भूलेंगे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। करूर में मची भगदड़, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी और जिसका असर राज्य विधानसभा चुनाव पर भी पड़ा था, उसके नौ महीने बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय शुक्रवार को शहर लौटे। उन्होंने इस त्रासदी में अपनी भूमिका का बचाव किया, पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए और पिछली उटङ सरकार पर तीखा हमला किया। मुख्यमंत्री के तौर पर करूर के अपने पहले दौरे पर पीड़ितों के परिवारों के सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए, विजय ने भावुक होकर उस त्रासदी को याद किया और कहा कि उस नुकसान का बोझ आज भी उनके मन पर भारी है। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार करूर के दौरे पर आए उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितनी भी ऊंचाइयों पर क्यों न पहुंच जाए, मानसिक रूप से कुछ ऐसे घाव और चोटें होती हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। हम कई तरह की चोटों और घावों से उबरकर ही यहां तक पहुंचे हैं। लेकिन इन सबसे बुरा, वह घाव और दर्द जिसने मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ दी, वह करूर की घटना थी। विजय ने कहा कि पिछले साल करूर का उनका दौरा ळश्ङ के लोगों तक पहुँचने और उनकी समस्याओं के बारे में आवाज उठाने का हिस्सा था। उन्होंने बताया कि अरियालुर में एक मीटिंग खत्म करने के बाद पेरम्बलुर पुलिस ने उन्हें वहाँ जमा भारी भीड़ के बारे में आगाह किया था। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें बताया गया था कि देर हो रही है और उन्हें वहाँ नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसलिए हमारे पास कोई चारा नहीं था। जब पुलिस हमें कुछ कहती है, तो हमें उनकी बात माननी ही पड़ती है, है ना? साथ ही, पेरम्बलुर के लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, हम भारी मन से वापस लौट आए। विजय ने अपनी पार्टी पर मौतों का आरोप लगाते हुए इसे खारिज कर दिया और तर्क दिया कि भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी पुलिस की थी। अभिनेता से नेता बने विजय ने कहा कि मैंने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस पर भरोसा किया था, फिर भी मुझे मौतों के लिए दोषी ठहराया गया।

भारत को मिली पहली हाइड्रोजन ट्रेन! जिंद-सोनीपत रूट पर चलेगी शून्य उत्सर्जन ट्रेन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने भारत की पहली रोजाना चलने वाली हाइड्रोजन-पावर्ड ट्रेन सर्विस को मंजूरी दे दी है, जो जींद और सोनीपत के बीच चलेगी। सूत्रों के अनुसार, यह सेवा ट्रेन संख्या 74010/74009 के रूप में चलेगी, जिसमें जिंद सिटी, पांडु पिंडारा, ललित खेड़ा, भम्बेवा, ईशापुर खीरी, बुटाना, खंदराई, गोहाना, रभरा, लाठ, मोहना (हरियाणा) और बड़वासनी में वाणिज्यिक स्टॉप होंगे। जून में, परफॉर्मेंस पैरामीटर्स का आकलन करने के लिए दिल्ली और जींद के बीच इमरजेंसी ब्रेकिंग दूरी और ट्रेन के हिलने-डुलने (ऑसिलेशन) पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक ट्रायल रन किया गया था।

भारतीय रेलवे ने मई में नॉर्दर्न रेलवे के जींद-सोनीपत सेक्शन पर 10-कार वाली हाइड्रोजन फ्यूल सेल-बेस्ड ट्रेनसेट शुरू करने को मंजूरी दी थी। रेल मंत्रालय ने बताया कि यह ट्रेनसेट जल्द ही शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार है और 1200 KW के हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रोपल्शन सिस्टम का इस्तेमाल करके 75 kmph की अधिकतम रफ़्तार से चलेगी। इस पहल का मकसद साफ-सुथरे और ज्यादा ऊर्जा-कुशल रेल ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने बताया कि हाइड्रोजन फ्यूल सेल टेक्नोलॉजी हाइड्रोजन का इस्तेमाल करके केमिकल रिएक्शन के जरिए बिजली बनाती है, जिसमें सिर्फ. जल-वाष्प (water vapour) ही निकलता है। इस वजह से यह पारंपरिक फॉसिल फ्यूल-आधारित ट्रैक्शन सिस्टम का एक साफ-सुथरा विकल्प है।

इस प्रोजेक्ट के साथ, भारत जर्मनी, जापान, चीन और अमेरिका जैसे उन देशों में शामिल हो गया है जो हाइड्रोजन से चलने वाले रेल ट्रांसपोर्ट पर काम कर रहे हैं। हरियाणा में जींद-सोनीपत सेक्शन को पायलट रूट के तौर पर चुना गया है।

ट्रेनसेट के लिए जींद में ही हाइड्रोजन स्टोर करने और उसमें हाइड्रोजन भरने (रीफ्यूलिंग) की सुविधा भी बनाई गई है। पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन ने इस जगह पर कंप्रेस्ड हाइड्रोजन गैस को स्टोर करने और उसे भरने के लिए जरूरी लाइसेंस दे दिया है। मंत्रालय ने बताया है कि रीफ्यूलिंग के काम के लिए हाइड्रोजन कम्प्रेशन सिस्टम लगाया गया है।

साथ ही, भरोसेमंद और सुरक्षित कामकाज सुनिश्चित करने के लिए टेक्निकल सपोर्ट और जरूरी स्पेयर पार्ट्स की भी व्यवस्था की गई है। एक स्टैंडबाय कम्प्रेशर यूनिट का इंतजाम भी किया जा रहा है।

संपादक की कलम से

बच्चों की चहकती ज़िंदगी पर पड़ रहा विकास का काला साया

ललित शर्मा
संपादक

जब किसी शहर से बच्चों की खिलखिलाहट गुम होने लगे, समझ लेना चाहिए कि वहां विकास ने दिशा खो दी है। किसी समाज की असली समृद्धि उसकी ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि बच्चों के हिस्से आए खुले आसमान, हरियाली और सुरक्षित खेल-स्थलों में दिखाई देती है। दुर्भाग्य से शहर जितनी तेजी से फैल रहे हैं, सार्वजनिक पार्क और खेल के मैदान उतनी ही तेजी से सिमट रहे हैं। जहां कभी नंगे पांव दौड़ता बचपन सपने संजोता था, वहां आज सूखी जमीन, टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां और कंक्रीट का फैलता साम्राज्य खड़ा है। यह केवल सौंदर्य का ह्रास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों पर मौन प्रहार है। यदि बचपन से खेल, प्रकृति और खुलापन छीन लिया गया, तो उसकी कीमत केवल बच्चे नहीं, पूरा समाज चुकाएगा। कंक्रीट की हर नई दीवार हरियाली की कीमत पर खड़ी होती है। बीते दो दशकों में अनियोजित शहरीकरण, प्रशासनिक उदासीनता, भ्रष्टाचार और नागरिक चुप्पी ने सार्वजनिक पार्कों को उपेक्षित कर दिया। कई महानगरों में प्रति बच्चे उपलब्ध खेल क्षेत्र आधे से भी कम रह गया है। नतीजा–बचपन स्क्रीन में कैद है। शारीरिक गतिविधियां घटने से मोटापा, मानसिक तनाव, अकेलापन और व्यवहारगत समस्याएं बढ़ रही हैं। प्रकृति से कटता बचपन तकनीक में दक्ष, पर शरीर से दुर्बल और मन से असंतुलित होता जा रहा है। यह समाज के भविष्य की गंभीर चेतावनी है। बचपन की पहली पाठशाला किसी इमारत में नहीं, खुले आकाश के नीचे बसती है। पार्क केवल खेल का मैदान नहीं, व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला हैं। यहीं बच्चे मित्रता, सहयोग, अनुशासन, हार-जीत का संतुलन और प्रकृति से रिश्ता सीखते हैं। मिट्टी की सोंधी गंध, पेड़ों की छांव, पक्षियों का कलरव और साथियों का साथ वे संस्कार देते हैं, जो कोई स्क्रीन या बंद कमरा नहीं दे सकता। पार्क खत्म होते हैं, तो बचपन का यह अध्याय अधूरा रह जाता है। सबसे अधिक मार सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ती है, जिनके पास निजी क्लब या महंगे प्ले जोन का विकल्प नहीं होता। उनके बच्चे गलियों, छतों और व्यस्त सड़कों पर खेलने को विवश हैं। खेल का अधिकार भी अब आर्थिक असमानता की भेंट चढ़ रहा है। सबसे भयावह स्थिति तब होती है, जब बच्चों के लिए बनी जगहें ही असुरक्षित हो जाएं। जो पार्क बचे हैं, उनकी हालत लगातार बिगड़ रही है। रखरखाव का बजट आता है, पर उसका बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार या अधूरे कार्यों में सिमट जाता है। टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां, गंदे पानी के गड्ढे, सूखी घास और कचरा अब सामान्य दृश्य हैं। अनेक स्थानों पर अतिक्रमण ने पार्कों की जमीन निगल ली है। कहीं राजनीतिक आयोजन, कहीं अस्थायी निर्माण, तो रात होते ही कई पार्क असामाजिक तत्वों और शराबियों के अड्डे बन जाते हैं। नतीजा यह है कि जहां बच्चों को सबसे सुरक्षित होना चाहिए, वहीं जाने से परिवार कतराने लगे हैं। किसी संवेदनशील समाज के लिए इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? हर उजड़ा पार्क योजनाओं नहीं, ईमानदार इच्छाशक्ति की मांग करता है। यह संकट असाध्य नहीं, यदि सरकारें इसे सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न मानें। प्रत्येक शहर में 'पार्क पुनर्जागरण मिशन' के तहत पुराने पार्कों का वैज्ञानिक पुनर्विकास, सुरक्षित खेल उपकरण और नियमित रखरखाव की जवाबदेही तय हो। हर नए आवासीय प्रकल्प में 18 से 20 प्रतिशत क्षेत्र हरित पार्क और खेल क्षेत्र के लिए कानूनी रूप से आरक्षित हो।

ऊँची सोच ही सच्ची श्रेष्ठता है

किशन भावनानीं

कविता

श्रेष्ठता का आधार ऊँचे आसन से नहीं बनता है
वह तो निर्मल विचारों से जीवन में खिलता है।
पद और प्रतिष्ठा समय के साथ बदल जाते हैं
लेकिन ऊँची सोच वाले दिलों में अमर हो जाते हैं।

सिंहासन नहीं, संस्कार इंसान को महान बनाते हैं
सच्चे कर्म ही सम्मान के दीप जलाते हैं।
जो सबका हित सोचकर आगे बढ़ता जाता है
वही हर युग में प्रेरणा का प्रकाश कहलाता है।

ऊँचाई भवनों की नहीं, चरित्र की पहचानी जाती है
विनम्रता से ही हर मंज़िल आसान हो जाती है।
जिसके मन में प्रेम, करुणा और सत्य का वास हो
उसका हर कदम समाज के लिए विश्वास हो।

अहंकार का ताज पल भर में बिखर जाता है
विनय का फूल हर मौसम में महक जाता है।
जो स्वयं से पहले जग का कल्याण सोचता है
ईश्वर भी उसी के जीवन में उजियारा बोता है।

किशन ऐसा जीवन जिएँ जहाँ सोच सबसे ऊँची हो
हर वाणी में मधुरता, हर राह सच्चाई की हो।
आसन नहीं, आदर्श हमारी पहचान बन जाएँ
ऊँची सोच से ही हम सच्ची श्रेष्ठता को अपनाएँ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

भौगोलिक संरचना में मानवीय दखलः सभ्यता का उत्कर्ष या प्रकृति का क्षरण?

एन०के०शर्मा
लेखक

मानव सभ्यता का सम्पूर्ण इतिहास यदि किसी एक सतत संघर्ष का इतिहास है, तो वह प्रकृति और मानव के बीच संतुलन स्थापित करने का इतिहास है। पृथ्वी पर जीवन के प्रारम्भ से लेकर आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) के युग तक मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं, महत्वाकांक्षाओं और विकास की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पृथ्वी की भौगोलिक संरचना में निरन्तर हस्तक्षेप किया है। कभी नदियों की धारा मोड़ी गई, कभी पर्वतों का सीना चीरकर सुरंगें बनाई गईं, कभी घने वनों को काटकर महानगर बसाए गए और कभी समुद्र के भीतर कृत्रिम द्वीपों का निर्माण कर विकास की नई परिभाषाएँ गढ़ी गईं।

यही कारण है कि आज यह प्रश्न केवल पर्यावरणीय विमर्श तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव सभ्यता के भविष्य से जुड़ा सबसे गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है–क्या भौगोलिक संरचना में मानवीय दखल सभ्यता का उत्कर्ष है, अथवा प्रकृति के अपरिवर्तनीय क्षरण की शुरूआत?

भूगोल केवल पर्वत, नदियाँ, पठार, मैदान और समुद्र का स्थिर मानचित्र नहीं है। यह पृथ्वी की करोड़ों वर्षों में विकसित हुई एक जीवंत, गतिशील एवं अत्यंत संवेदनशील प्रणाली है, जिसमें जल, वायु, मृदा, वनस्पति, जीव-जंतु तथा जलवायु एक-दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। भूगर्भीय प्रक्रियाओं ने लाखों वर्षों में जिन संरचनाओं का निर्माण किया, मनुष्य ने उन्हें कुछ दशकों में बदल देना प्रारम्भ कर दिया। विज्ञान और तकनीक ने मानव को प्रकृति पर अभूतपूर्व नियंत्रण की क्षमता प्रदान की, किंतु इस नियंत्रण के साथ उत्तरदायित्व का भाव समान गति से विकसित नहीं हो सका।

औद्योगिक क्रांति के पश्चात विकास की अवधारणा ने अभूतपूर्व गति पकड़ी। विशाल बाँध, राजमार्ग, रेलवे, खनन परियोजनाएँ, औद्योगिक नगर, बंदरगाह और महानगर आधुनिक विकास के प्रतीक बने। इन परियोजनाओं ने ऊर्जा, परिवहन, सिंचाई, रोजगार और आर्थिक समृद्धि के नए अवसर उत्पन्न किए। यदि मानव ने भौगोलिक संरचना में हस्तक्षेप न किया होता, तो संभवतः आधुनिक चिकित्सा, वैश्विक व्यापार, तीव्र संचार और उच्च जीवन स्तर की कल्पना भी कठिन होती।

किन्तु विकास का यह दूसरा पक्ष उतना ही कठोर और चिंताजनक है। प्रकृति के संतुलन की उपेक्षा कर किया गया हस्तक्षेप अब वैश्विक संकट का रूप ले चुका है। संयुक्त राष्ट्र तथा विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के अध्ययन संकेत देते हैं कि पृथ्वी के अधिकांश प्राकृतिक पारितंत्र मानवीय गतिविधियों से गंभीर रूप से प्रभावित हो चुके हैं। जंगल सिकुड़ रहे हैं, हिमनद पिघल रहे हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जैव विविधता तेजी से समाप्त हो रही है तथा चरम मौसमी घटनाएँ सामान्य होती जा रही हैं।

भारत इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। हिमालय, जिसे एशिया का जल स्तंभ कहा जाता है, आज अंधाधुंध सड़क निर्माण, सुरंगों, जलविद्युत परियोजनाओं और अनियोजित पर्यटन के दबाव में अत्यधिक संवेदनशील हो चुका है। उत्तराखंड की आपदाएँ, जोशीमठ में भूधंसाव, हिमाचल प्रदेश में बार-बार होने वाले भूस्खलन तथा पूर्वोत्तर राज्यों में बदलते भौगोलिक स्वरूप केवल प्राकृतिक घटनाएँ नहीं हैं; इनमें मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका पर गंभीर वैज्ञानिक विमर्श हो चुका है।

इसी प्रकार नदियों का प्राकृतिक प्रवाह बाधित करने वाली परियोजनाएँ विकास और पर्यावरण के बीच जटिल संतुलन का प्रश्न खड़ा करती हैं। बड़े बाँधों ने ऊर्जा, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है, परन्तु उन्होंने लाखों लोगों का विस्थापन भी किया, नदी पारितंत्र को प्रभावित किया तथा अवसाद (Sediment) के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर अनेक डेल्टा क्षेत्रों के क्षरण को बढ़ाया। शहरीकरण मानवीय हस्तक्षेप का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। आज विश्व की आधी से अधिक आबादी शहरों में निवास करती है। महानगरों के विस्तार ने प्राकृतिक जलनिकासी मार्गों को समाप्त कर दिया। झीलें और तालाब आवासीय कॉलोनियों में परिवर्तित हो गए। परिणामस्वरूप थोड़ी सी वर्षा भी महानगरों को जलमग्न कर देती है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे शहर इस चुनौती का सामना कर चुके हैं।

खनन गतिविधियाँ आर्थिक विकास की आधारशिला मानी जाती हैं, किंतु अनियंत्रित खनन ने पर्वतीय क्षेत्रों की स्थिरता को कमजोर किया है। लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट, चूना पत्थर तथा अन्य खनिजों के अत्यधिक दोहन ने भूजल स्तर, वनावरण और स्थानीय जैव विविधता पर गहरा प्रभाव डाला है। अनेक क्षेत्रों में भूमि धंसाव और जल प्रदूषण जैसी समस्याएँ स्थायी रूप धारण कर चुकी हैं।

तटीय क्षेत्रों में भी मानवीय हस्तक्षेप के परिणाम स्पष्ट दिखाई देते हैं। बंदरगाहों, समुद्री तटों के व्यावसायीकरण, मैंग्रोव वनों की कटाई और कृत्रिम तटीय संरचनाओं ने समुद्री पारितंत्र को प्रभावित किया है। समुद्र-स्तर में वृद्धि और चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता के बीच तटीय पारिस्थितिकी की अनदेखी भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है।

जलवायु परिवर्तन इस पूरी बहस का सबसे महत्वपूर्ण आयाम है। जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और भूमि उपयोग में परिवर्तन ने ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को बढ़ाया है। परिणामस्वरूप पृथ्वी का औसत तापमान निरंतर बढ़ रहा है। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि कृषि, जल संसाधन, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था तक को प्रभावित करने वाला बहुआयामी संकट है। यह कहना भी उचित नहीं होगा कि प्रत्येक मानवीय हस्तक्षेप विनाशकारी है। अनेक उदाहरण ऐसे हैं जहाँ विज्ञान और पर्यावरणीय समझ के समन्वय से प्रकृति और विकास दोनों का संरक्षण संभव हुआ है। जलागम विकास, नदी पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, वनीकरण, आर्द्रभूमियों का संरक्षण, हरित भवन, सतत शहरी नियोजन तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसी पहलें यह सिद्ध करती हैं कि यदि वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्थानीय ज्ञान और पारिस्थितिक संवेदनशीलता साथ चलें तो विकास और संरक्षण परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

विश्व के अनेक देशों ने प्रकृति-आधारित समाधान (Nature-based Solutions) को विकास नीति का अभिन्न अंग बनाना प्रारम्भ कर दिया है। अब केवल कंक्रीट आधारित अवसंरचना नहीं, बल्कि प्राकृतिक पारितंत्र को भी विकास की आधारभूत संरचना माना जा रहा है। भारत में भी हरित राजमार्ग, नदी संरक्षण, जल संरक्षण, मिशन लाइफ (Lifestyle for Environment), सौर एवं पवन ऊर्जा, जैविक कृषि तथा जलवायु-अनुकूल विकास की दिशा में प्रयास दिखाई देते हैं। किंतु इन प्रयासों की सफलता पारदर्शी क्रियान्वयन, वैज्ञानिक मूल्यांकन तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर निर्भर करेगी। भारतीय ज्ञान परंपरा भी इस विषय पर अत्यंत प्रासंगिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। वेदों, उपनिषदों और पुराणों में पृथ्वी को केवल संसाधन नहीं, बल्कि 'माता' के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। भारतीय दर्शन में प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की अवधारणा केवल आध्यात्मिक विचार नहीं, बल्कि सतत विकास का व्यवहारिक सिद्धांत है। आधुनिक पर्यावरण विज्ञान आज जिन सिद्धांतों को Sustainable Development, Ecological Balance और Circular Economy के रूप में प्रस्तुत करता है, उनकी मूल भावना भारतीय सांस्कृतिक चेतना में सदियों से विद्यमान रही है।

पत्रकारिता के दृष्टिकोण से भी यह विषय अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। विकास परियोजनाओं की रिपोर्टिंग केवल उद्घाटन समारोहों और निवेश के आँकड़ों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पत्रकारिता का दायित्व यह भी है कि वह परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव, सामाजिक विस्थापन, जैव विविधता पर पड़ने वाले परिणाम, स्थानीय समुदायों की आवाज और वैज्ञानिक चेतावनियों को समान महत्व दे। विकास की वास्तविक सफलता का मूल्यांकन तभी संभव है जब आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरणीय लागत भी सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने।

आज आवश्यकता विकास-विरोध की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण विकास की है। प्रकृति को रोककर नहीं, उसके साथ चलकर ही स्थायी समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। यदि विकास की प्रत्येक परियोजना में पर्यावरणीय प्रभाव का निष्पक्ष आकलन, स्थानीय समुदायों की सहभागिता, वैज्ञानिक योजना, पारिस्थितिक वहन क्षमता (Carrying Capacity) का सम्मान तथा दीर्घकालिक दृष्टि अपनाई जाए, तो मानवीय हस्तक्षेप सभ्यता के उत्कर्ष का माध्यम बन सकता है। अन्यथा वही हस्तक्षेप जलवायु संकट, जैव विविधता के विनाश, जल संकट, खाद्य असुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में मानव सभ्यता के अस्तित्व को चुनौती देगा।

अंततः प्रश्न यह नहीं है कि मनुष्य प्रकृति में हस्तक्षेप करे या नहीं, क्योंकि सभ्यता का विकास किसी न किसी स्तर पर हस्तक्षेप से जुड़ा रहेगा। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या यह हस्तक्षेप प्रकृति के नियमों का सम्मान करते हुए होगा या उनके विरुद्ध? यदि विकास का मार्ग पृथ्वी की वहन क्षमता, पर्यावरणीय न्याय और भावी पीढ़ियों के अधिकारों को ध्यान में रखकर चुना जाएगा, तो मानव सभ्यता का भविष्य सुरक्षित रहेगा। किन्तु यदि विकास केवल अल्पकालिक आर्थिक लाभ और संसाधनों के अंधाधुंध दोहन तक सीमित रहा, तो इतिहास संभवतः हमारी तकनीकी उपलब्धियों की नहीं, बल्कि उस भूल की चर्चा करेगा जिसमें मनुष्य ने अपनी ही जीवनदायिनी पृथ्वी को विकास के नाम पर क्षीण कर दिया। सभ्यता का वास्तविक उत्कर्ष प्रकृति पर विजय में नहीं, बल्कि उसके साथ संतुलित सह-अस्तित्व में निहित है। यही वह मार्ग है जो विकास को स्थायित्व, समृद्धि को संवेदनशीलता और मानवता को सुरक्षित भविष्य प्रदान कर सकता है।

विकसित भारत की राह में जनसंख्या संतुलन का प्रश्न

ललित गर्ग
लेखक

प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है- 'युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को साकार करना-आज और भविष्य के लिए।' यह विषय स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल उसकी जनसंख्या के आकार से नहीं, बल्कि उस जनसंख्या की गुणवत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और अवसरों से निर्धारित होता है। भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है।

यह स्थिति एक ओर विशाल मानव संसाधन का अवसर प्रस्तुत करती है, तो दूसरी ओर संसाधनों, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव भी उत्पन्न करती है। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस भारत के लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि गंभीर आत्ममंथन का अवसर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छोटे परिवार के महत्व पर बल देते हुए कहा है कि जो परिवार स्वेच्छा से परिवार नियोजन अपनाते हैं, वे राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनका यह संदेश बताता है कि जनसंख्या संतुलन किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे देश के सतत विकास का विषय है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी समय-समय पर यह कहा है कि जनसंख्या नीति सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए तथा इसका उद्देश्य किसी समुदाय को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, संसाधनों के संतुलित उपयोग और सामाजिक समरसता को सुनिश्चित करना होना चाहिए।

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र तभी पूरी तरह साकार हो सकता है, जब विकास की गति और जनसंख्या वृद्धि के बीच संतुलन स्थापित हो। यदि जनसंख्या अनियंत्रित गति से बढ़ती रहे और संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में न हो, तो विकास की उपलब्धियां भी पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगी।

रोजगार के अवसर सीमित होंगे, कृषि योग्य भूमि सिकुड़ेगी, जल संकट गहराएगा, महानगरों पर दबाव बढ़ेगा और पर्यावरणीय असंतुलन गंभीर होता जाएगा। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जनसंख्या संबंधी विमर्श तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव पर आधारित हो।

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और जनसंख्या नीति का उद्देश्य भी समान रूप से सभी नागरिकों पर लागू होने वाला, न्यायसंगत एवं पारदर्शी ढांचा होना चाहिए। परिवार नियोजन, महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विवाह की उपयुक्त आयु, आर्थिक सशक्तिकरण तथा जन-जागरूकता ऐसे उपाय हैं, जिनसे बिना किसी भेदभाव के जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विश्व के अनेक अनुभव बताते हैं कि जैसे-जैसे शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और आर्थिक विकास बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रजनन दर स्वाभाविक रूप से घटती है। भारत के सामने एक अन्य गंभीर चुनौती अवैध घुसपैठ की भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में यदि अवैध रूप से लोगों का प्रवेश होता है और वे बिना वैधानिक प्रक्रिया के देश में बस जाते हैं, तो इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों के वितरण तथा जनसांख्यिकीय संतुलन पर प्रभाव पड़ सकता है। यह विषय जनसंख्या नियंत्रण से अलग, कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा का प्रश्न है।

अतः सीमा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना, अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा नागरिकता संबंधी कानूनों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह मुद्दा किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। भारत को यह भी समझना होगा कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। चीन ने अपने समय में एक-संतान नीति अपनाई, लेकिन बाद में बदलती परिस्थितियों के कारण उसे वापस लेना पड़ा। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था चीन से भिन्न है। इसलिए भारत के लिए अधिक उपयुक्त मार्ग वह होगा जिसमें कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, स्वैच्छिक सहभागिता, शिक्षा और सकारात्मक प्रोत्साहन को प्राथमिकता दी जाए। छोटे परिवारों को प्रोत्साहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकता है।

पिछले एक वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि विश्व की जनसंख्या लगभग 8.19 अरब से बढ़कर 8.30 अरब हो गई है, अर्थात एक वर्ष में लगभग 6.9 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई है, जो लगभग 0.83 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दशार्ती है।

दूसरी ओर भारत की जनसंख्या 1.45 अरब से बढ़कर लगभग 1.47 अरब हो गई है, यानी एक वर्ष में लगभग 1.25 करोड़ लोग और जुड़ गए। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.87-0.89 प्रतिशत के बीच है, जो वैश्विक औसत से थोड़ी अधिक है। भारत विश्व की कुल आबादी का लगभग 17.8 प्रतिशत हिस्सा रखता है। इतनी विशाल जनसंख्या के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, जल, ऊर्जा, कृषि भूमि और पर्यावरण पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। यदि जनसंख्या वृद्धि और विकास के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया गया, तो विकसित भारत का लक्ष्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। इसलिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनसंख्या स्थिरीकरण, मानव संसाधन विकास और संसाधनों के संतुलित नियोजन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। भारत में जनसंख्या का प्रश्न केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी विषय बन गया है।

जातिगत जनगणना और विभिन्न जाति-समुदायों की जनसंख्या को लेकर राजनीतिक दल अक्सर अपने-अपने वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति अपनाते दिखाई देते हैं।

अनेक विश्लेषकों का मानना है कि यदि जनसंख्या के आंकड़ों का उपयोग केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण या चुनावी लाभ के लिए किया जाएगा, तो यह राष्ट्रीय एकता और समावेशी विकास की भावना के विपरीत होगा। इसके विपरीत, चीन ने अपनी परिस्थितियों के अनुरूप लंबे समय तक कठोर जनसंख्या नियंत्रण नीति अपनाकर जनसंख्या वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया, यद्यपि बाद में बदलती जनसांख्यिकीय चुनौतियों के कारण उसने उस नीति में संशोधन भी किया।

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था अलग है, इसलिए यहां समाधान कठोर दमनात्मक उपायों के बजाय समान रूप से लागू होने वाली जनसंख्या नीति, महिला शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, परिवार नियोजन, जन-जागरूकता और कानून के निष्पक्ष अनुपालन में निहित है।

जनसंख्या के प्रश्न को जाति, धर्म या वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय विकास, सामाजिक संतुलन और भविष्य की पीढ़ियों के हित के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। विश्व जनसंख्या दिवस 2026 की थीम भी इसी दिशा में संकेत करती है कि यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अवसर मिलेंगे, तो वे स्वयं जिम्मेदार नागरिक बनकर संतुलित परिवार और सतत विकास की दिशा में योगदान देंगे।

भारत की लगभग आधी आबादी युवा है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश तभी राष्ट्र की शक्ति बनेगा, जब यह शिक्षित, कुशल, स्वस्थ और आत्मनिर्भर होगा। अन्यथा यही विशाल युवा आबादी बेरोजगारी, असंतोष और सामाजिक चुनौतियों का कारण भी बन सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि देश में एक व्यापक, वैज्ञानिक और सर्वसम्मत राष्ट्रीय जनसंख्या नीति पर गंभीर विचार किया जाए।

ऐसी नीति में समानता, पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। इसके साथ ही जनसंख्या संबंधी किसी भी चर्चा में सामाजिक सौहार्द, तथ्यपरक विश्लेषण और जिम्मेदार सार्वजनिक विमर्श बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। किसी भी प्रकार की अतिरंजना या विभाजनकारी दृष्टिकोण समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं को जन्म दे सकता है।

विश्व जनसंख्या दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा। इसके लिए जनसंख्या और संसाधनों के बीच संतुलन, मानव पूंजी में निवेश, महिलाओं का सशक्तिकरण, युवाओं को अवसर, प्रभावी सीमा प्रबंधन और दीर्घकालिक राष्ट्रीय नीति-इन सभी का समन्वित प्रयास आवश्यक है।

यदि भारत समय रहते जनसंख्या संतुलन, मानव विकास और संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठाता है, तो वर्ष 2047 तक विकसित, समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का लक्ष्य अधिक यथार्थ रूप में साकार हो सकेगा। जनसंख्या केवल संख्या नहीं, बल्कि राष्ट्र की शक्ति है, बशर्ते वह शिक्षित, स्वस्थ, अनुशासित, उत्पादक और संतुलित हो। यही विश्व जनसंख्या दिवस का वास्तविक संदेश है।

'आस्था पर आंच नहीं आने देंगे' के संकल्प के साथ विराट काव्य संध्या में गूंजे राष्ट्र और संस्कृति के स्वर

श्रीराम राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि अशोक गोयल 'चक्रवर्ती' बोले- भारत संस्कारों का घर है, हमारी आस्था और संस्कृति हमारी सबसे बड़ी पहचान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के पिलखुवा में अम्बेडकरनगर इकाई द्वारा एक विशाल अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन वरिष्ट कवि एवं साहित्यकार अशोक गोयल चक्रवर्ती की अध्यक्षता में हुआ। कवि सम्मेलन का भव्यसंचालन रामवृक्ष बहादुरपुरी के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ट कवयित्री डा.शशि जायसवाल का व विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकप्रिय कवि रामस्वरूप मयूरेश तथा वरिष्ठ कवयित्री वीना गोयल पिलखुवा उपस्थित रहें।

सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रान्तो से एक से बढकर एक कवि कवयित्रियाँ उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरूआत कवयित्री सुनीता छाबड़ा के माँ शारदे की सुंदर वंदना से हुई इसके बाद कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कवि अशोक गोयल चक्रवर्ती मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने सुंदर उद्बोधन से कार्यक्रम को गति प्रदान की फिर काव्यपाठ के क्रम में सर्वप्रथम डा.ऋचा शर्मा श्रेष्ठा ने अपनी कविता पढी फिर एक के बाद कवियों ने अपने अपने कविता का पाठ किया काव्यपाठ करने वाले कवि डा.राजेश तिवारी मक्खन झांसी श्रीपाल शर्मा ईदरीशपुरी बागपत,विनोद कुमार शर्मा आनन्द राजस्थान, संध्या श्रीवास्तव सांझ,अतुल कुमार शर्मा सम्भल उ.प्र.सुनीता छाबड़ा गाजियाबाद ,ओम प्रकाश कुंतल राजस्थान,सुषमा भंडारी, सुशीला जोशी उषा सूद दिल्ली ,आशा विसारिया चंदौसी, आशा शर्मा इंदौर, रजनी सिंह गाजियाबाद , सरिता श्रीवास्तव जोधपुर, नीरजा सिंह अमरावती, मनोज मंजुल ओज कवि कासगंज सविता महरोत्रा सुगंधा प्रयागराज रमेश चंद्रा शामली उ.प्र.,डा.कु. शशि जायसवाल प्रयागराज,ममता गुप्ताबाराबंकी लतेलिन लता प्रधान छत्तीसगढ़, ईश्वर चंद्र विद्या वाचस्पति संतकबीरनगर ,राम स्वरूप मयूरेश झारखंड संगीता शुक्ला प्रयागराज, डा. राम अवतार शर्मा 'राम' बाड़ी राजस्थान राजेश कुमार शर्मा धौलपुर राजस्थान, सुमन वर्मा नजीबाबाद बिजनौर उत्तर प्रदेश मंच संचालक कवि रामवृक्ष बहादुरपुरी ने अपने सुंदर संचालन से मंच को बांधे रखा अतं में कार्यक्रम अध्यक्ष के द्वारा धन्यवाद् ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

हापुड़ की बेटी महिमा त्यागी ने 27 की उम्र में बनाई बॉलीवुड में पहचान, आईएमडीपी पर दर्ज हुआ नाम

लंदन से पढ़कर लौटी महिमा, अब युवाओं की आवाज बनना चाहती हैं

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की बेटी महिमा त्यागी ने कम उम्र में ही लेखन और निर्देशन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना ली है। महज 27 साल की उम्र में उन्हे आईएमडीपी पर क्रेडिट मिल चुका है और वह अब 'Welcome to the Jungle' जैसी बड़ी बॉलीवुड फिल्मों का भी हिस्सा रही हैं।नगर के विवेक विहार निवासी व समाजसेवी आदेश त्यागी (असौड़ा वालें) की बेटी महिमा ने लंदन से इंग्लिश में क्रिएटिव राइटिंग के साथ ग्रेजुएशन किया है। 19 साल की उम्र में उन्होंने लीसेस्टर में हुए एक अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता में अपने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।वेलकम इंडिया के ब्यूरो चीफ हरेन्द्र शर्मा के द्वारा पूछे गए सवाल जबाव में बताया गया कि 23 देशों के छात्रों के बीच उन्होंने उपनिवेशवाद,नस्लवाद और पूंजीवाद पर अपनी कविताएं सुनाकर सबका ध्यान खींचापढ़ाई के बाद महिमा ने स्वतंत्र लेखिका, फिल्मकार और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम शुरू किया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए विज्ञापन, म्यूजिक वीडियो और शॉर्ट फिल्मों का लेखन और निर्देशन किया है। साथ ही वह बड़ी बॉलीवुड फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।महिमा का मानना है कि आज के युवाओं की कहानियां सबसे जरूरी हैं। वह अपने काम के जरिए मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर आवाज उठाना चाहती हैं। हापुड़ नगर के सम्मानित व्यक्तियों का भी बधाई देने वाले लोगो का तांता लगा रहा। जैसे कि महिमा की कामयाबी पर हापुड़ वासियों पूर्व विधायक गजराज सिंह,विजय गोयल,पूर्व पालिकाध्यक्ष मालती भारती,नवरत्न त्यागी भाजपा प्रवक्ता अवनीश त्यागी,मनोज त्यागी, सोनू त्यागी, सचिन जिंदल ,डॉ सुमन अग्रवाल आदि ने उन्हें बंधाई दी।

लगातार बारिश से बाबूगढ़ के शरावनी गांव में मकान ढहा, परिवार बाल-बाल बचा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। जनपद में लगातार हो रही बारिश के चलते थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के ग्राम शरावनी में शुक्रवार तड़के एक मकान का हिस्सा भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि समय रहते परिवार के सदस्य दूसरे कमरे में चले गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। दिनांक 10 जुलाई 2026 को यूपी-112 कंट्रोल रूम से ग्राम शरावनी में मकान गिरने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना बाबूगढ़ प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। जांच में पता चला कि महबूब पुत्र नजर निवासी ग्राम शरावनी के तीन कमरों वाले मकान में से दो कमरे शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे लगातार बारिश के कारण ढह गए। मकान मालिक महबूब अपने बच्चों सहित समय रहते दूसरे कमरे में चला गया था, जिससे परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बच गए। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि घटना की सूचना तत्काल उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को दे दी गई है तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने के आरोप में ईसाई प्रचारक गिरफ्तार, धार्मिक साहित्य बरामद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। मीरगंज थाना पुलिस ने प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने के आरोप में एक ईसाई प्रचारक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी लोगों को आर्थिक सहायता, नौकरी और बेहतर जीवन का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा था। उसके कब्जे से बाइबल समेत अन्य धार्मिक साहित्य और प्रचार सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस के मुताबिक थाना मीरगंज क्षेत्र के सैंजना गांव निवासी अंकित पुत्र खूबकरन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। आरोप है कि 9 जुलाई को गांव निवासी गजेंद्र के घर आयोजित एक सभा में आरोपी प्रेमपाल लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा था। शिकायत में यह भी कहा गया कि सभा के दौरान आर्थिक मदद और नौकरी का प्रलोभन दिया गया तथा हिंदू धर्म के संबंध में आपत्तिजनक बातें कही गईं।

मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था। शुक्रवार को मीरगंज पुलिस ने शीशगढ़ थाना क्षेत्र के भुडासी गांव निवासी प्रेमपाल पुत्र पातीराम को नगरिया सादात फाटक के पास अंडरपास से गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने स्वयं को ईसाई धर्म का प्रचारक बताया। पुलिस का कहना है कि उसने सैंजना गांव में सभा आयोजित होने की बात स्वीकार की है। आरोपी के अनुसार उसके प्रयास के बावजूद किसी व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन नहीं किया। मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिलने के बाद वह छिपने का प्रयास कर रहा था।

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक बाइबल, भजनसंहिता एवं नीतिवचन पुस्तक, दो 'नया नियम' पुस्तकें, 'मुक्तिदाता कौन' नामक पुस्तक, 'बेदारी के गीत' पुस्तक, एक हस्तलिखित नोटबुक और एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार ने बताया कि प्राप्त तहरीर और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गढ़मुक्तेश्वर में पुलिस मुठभेड़ के बाद दुष्कर्म का आरोपी घायलावस्था में गिरफ्तार, अवैध तमंचा व बाइक बरामद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में शुक्रवार देर रात पुलिस चेकिंग के दौरान एक बदमाश से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में बदमाश घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान भोले पुत्र नेपाल निवासी शेरा कृष्ण की मढ़ैया, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने 26 जून 2026 को दो नाबालिग किशोरियों के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।इस संबंध में थाना गढ़मुक्तेश्वर पर मु.अ.सं. 348/2026 के तहत धारा 65(1), 351(3) भारतीय न्याय संहिता (BNS) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के संबंध में क्षेत्राधिकारी गढ़मुक्तेश्वर का आधिकारिक बयान भी जारी किया गया है।

ड्राइवर की संदिग्ध मौत को पिता ने बताया हत्या, अंतिम संस्कार में जल्दबाजी का आरोप, डीआईजी से लगाई न्याय की गुहार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के एक परिवार ने अपने बेटे की मौत को सुनियोजित हत्या बताते हुए डीआईजी रेंज से शिकायत की है। पीड़ित पिता ने आरोप लगाया है कि बेटे की हत्या के बाद पुलिस को सूचना दिए बिना जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार करा दिया गया। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

ग्राम धनतिया निवासी ओमकार का कहना है कि उनका बेटा देवेन्द्र कुमार पिछले करीब एक वर्ष से गांव निवासी रितिक की ओला टैक्सी चलाता था। आरोप है कि देवेन्द्र की करीब नौ माह की मजदूरी, लगभग 90 हजार रुपये, बकाया थी। रुपये मांगने को लेकर रितिक और उसके भाई राहुल से उसका विवाद चल रहा था।

शिकायत के अनुसार, 2 मार्च 2026 की सुबह राहुल ने फोन कर देवेन्द्र को बुलाया और उसे बरेली शहर के घंटाघर क्षेत्र स्थित एक टावर के पास ले गया। वहां पहले से मौजूद रितिक, जयपाल, अनुपम, प्रानसुख समेत अन्य लोगों ने कथित रूप से उसके साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। पीड़ित पिता का आरोप है कि घटना के बाद आरोपियों ने परिवार को केवल यह सूचना दी कि देवेन्द्र की तबीयत खराब है। जब परिजन मौके पर पहुंचे तो वह वाहन में मृत अवस्था में मिला। उनका दावा है कि शव पर चोटों के निशान थे और सिर, चेहरे व हाथ से खून बह रहा था। आरोप है कि पुलिस की विधिक प्रक्रिया पूरी कराए बिना ही उसी दिन शव का अंतिम संस्कार करा दिया गया। ओमकार ने डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी को प्रार्थना पत्र देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने, नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले कलयुगी चाचा को पुलिस ने 24 घंटे मे किया गिरफ्तार ,भेजा जेल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात, कलयुगी चाचा ने 6 साल की मासूम से किया दुष्कर्म। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में एक कलयुगी चाचा ने अपनी ही 6 वर्षीय मासूम भतीजी को बनाया हवस का शिकार। माता-पिता गए थे खेत, घर में भाई के गेम खेलने में व्यस्त होने का फायदा उठाकर आरोपी ने वारदात को दिया अंजाम। बच्ची के चिल्लाने पर जब भाई मौके पर पहुंचा, तो आरोपी की घिनौनी करतूत का खुलासा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही सहमे परिजनों ने तुरंत त्रिलोकपुर थाना पुलिस को मामले की लिखित सूचना दी। सूचना मिलते ही एक्टिव हुई पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चौबीस घंटे मे दरिंदे चाचा को धर दबोचा। पुलिस ने संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गिरफ्तार करने वाली टीम मे प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय मुख्य आरक्षी सरोज कुमार यादव,आरक्षी विशाल बौद्ध, तथा आरक्षी कृष्ण कुमार शामिल रहे।

मेरठ दलित छात्रा हत्याकांड पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी नजरबंद, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। मेरठ के गांव थरोटा में दलित छात्रा की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन द्वारा रोक दिए जाने के विरोध में हापुड़ कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी को शुक्रवार को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष सैय्यद अयाजुद्दीन को भी उनके घर पर नजरबंद किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मेरठ की दिवंगत छात्रा को श्रद्धांजलि अर्पित करती है तथा सरकार से दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग करती है।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को पीड़ित परिवार से मिलने नहीं दिया, जिसकी कांग्रेस कड़ी निंदा करती है। राकेश त्यागी ने कहा कि सरकार उन्हें पीड़ित परिवार तक पहुंचने से रोक सकती है, लेकिन उनकी आवाज को दबा नहीं सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न्याय की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी।पूर्व जिलाध्यक्ष सैय्यद अयाजुद्दीन ने भी प्रशासन की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। इसके अलावा राकेश त्यागी ने मेरठ में घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे दलित समाज के लोगों पर पुलिस द्वारा किए गए कथित लाठीचार्ज और एसएसपी अविनाश पांडे के व्यवहार की आलोचना करते हुए सरकार से उनके विरुद्ध कार्रवाई करते हुए तत्काल पद से हटाने की मांग की।

जहां जरूरत नहीं, वहीं विकास! रेतीपुरा की पुलिया बनी जनता के गले की हड्डी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बरेली। मीरगंज कहते हैं कि विकास वहीं होना चाहिए, जहां उसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो। लेकिन जब विकास का पैमाना जनता की सुविधा नहीं, बल्कि बजट खर्च करना बन जाए, तब नतीजा रेतीपुरा जैसी तस्वीर के रूप में सामने आता है।

मीरगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत बलेही के मजरा रेतीपुरा और बंसीपुर के बीच पूर्वी दिशा में बनाई गई पुलिया इन दिनों ग्रामीणों के लिए सुविधा नहीं, बल्कि मुसीबत का दूसरा नाम बन चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां पुलिया की कोई विशेष आवश्यकता ही नहीं थी, फिर भी इसे बनाकर उसके दोनों ओर कच्ची मिट्टी डाल दी गई, जिससे पहले से बनी पक्की सड़क का समतल बिगड़ गया।

बरसात आते ही हालात ऐसे हो गए हैं कि दोपहिया वाहन चालक रोज फिसलने का जोखिम उठा रहे हैं। चार पहिया वाहन बीच रास्ते में फंस जाते हैं और उन्हें ट्रैक्टर से खींचकर निकालना पड़ता है। जिस सड़क पर पहले लोग आराम से निकल जाते थे, अब वहीं से गुजरना किसी परीक्षा से कम नहीं रह गया है।

ग्रामीण तंज कसते हैं कि शायद यह 'विकास' जनता की सुविधा के लिए नहीं, बल्कि कागजों में उपलब्धि दिखाने के लिए हुआ है। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब पुलिया की जरूरत ही नहीं थी, तो सरकारी धन आखिर किस सोच के तहत खर्च किया गया? अगर यही विकास है, तो फिर जनता को ऐसे विकास से बचाने के लिए भी कोई योजना बननी चाहिए।

अब ग्रामीण प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि सड़क को तत्काल समतल कराया जाए और बरसात के मौसम में लोगों को हो रही परेशानी से राहत दिलाई जाए। आखिर विकास का मतलब रास्ता आसान करना होता है, मुश्किल नहीं।

एक जनपद-एक व्यंजन योजना में सिद्धार्थनगर को मिला 12 इकाइयों का लक्ष्य, 25 प्रतिशत अनुदान मिलेगा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, सिद्धार्थनगर द्वारा जारी जानकारी के अनुसार शासन के निर्देश पर जनपद में 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना लागू की गई है। योजना के तहत सिद्धार्थनगर के लिए खोया आधारित मिठाई (राम कचौड़ी), मखाना और कालानमक चावल को प्रमुख उत्पाद के रूप में चयनित किया गया है।

योजना के अंतर्गत जनपद को 12 इकाइयों का भौतिक लक्ष्य तथा 36 लाख रुपये का वित्तीय लक्ष्य आवंटित किया गया है। जिला उद्योग उपायुक्त अधिकारी शिव शंकर कुमार ने बताया चयनित लाभार्थियों को बैंक के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें ऋण राशि का 25 प्रतिशत अनुदान उद्योग विभाग द्वारा दिया जाएगा। योजना का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सिद्धार्थनगर निवासी होने चाहिए।

आवेदक के लिए किसी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता की अनिवार्यता नहीं है। हालांकि, आवेदक बैंक का बकायादार (डिफॉल्टर) नहीं होना चाहिए तथा पूर्व में किसी सरकारी ऋण योजना में अनुदान का लाभ प्राप्त नहीं किया होना चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थी एमएसएमई उत्तर प्रदेश पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

'उत्तराखण्ड सीएसआर डायलॉग' कार्यक्रम में सीएम ने प्रतिभाग किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। 'उत्तराखण्ड सीएसआर डायलॉग' कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से उत्तराखण्ड की विकास यात्रा में सहयोग करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधियों, विभिन्न केंद्रीय उपक्रमों के अधिकारियों, सीएसआर पार्टनर्स, उद्योग एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारे धर्म ग्रंथों में भी लिखा गया है कि तीर्थ स्थलों पर किए गए दान पुण्य का विशेष महत्व है।

इसलिए कॉरपोरेट समूहों द्वारा देवभूमि उत्तराखण्ड में, सीएसआर के तौर पर दिए गए योगदान का महत्व भी बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि बहुत से समूह सीएसआर के तहत शानदार काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड की अपनी विशिष्ट परिस्थितियाँ हैं, उत्तराखण्ड एक पर्वतीय और सीमांत प्रदेश है।

यहां की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए इस राज्य की विकास संबंधी चुनौतियाँ भी अन्य राज्यों से भिन्न हैं। यहां ज्यादा संसाधन और मेहनत खर्च करनी पड़ती है। इसलिए उत्तराखण्ड के लिए 'समग्र विकास' का अर्थ केवल सड़कें, भवन और आधारभूत संरचनाएँ खड़ी करना ही नहीं है बल्कि रोजगार सृजन, सामाजिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस उद्देश्य की प्राप्ति में कॉरपोरेट जगत का अनुभव, संस्थागत क्षमता, आधुनिक प्रबंधन शैली और सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' का आयोजन किया, जिसमें राज्य को 3.56 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इसमें से अब तक 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने में सफलता मिल चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने व्यापार को सुगम बनाने के लिए लाइसेंसिंग प्रोसेस को आसान करते हुए जहां एक ओर सिंगल विंडो सिस्टम की व्यवस्था लागू की है। वहीं औद्योगिक नीति, लॉजिस्टिक नीति, स्टार्टअप नीति और एमएसएमई नीति सहित 30 से अधिक नीतियां लाकर उद्योगों को एक बेहतरीन और सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने का काम किया है। इसके साथ ही राज्य में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए इनक्यूबेशन सेंटर्स की स्थापना और 200 करोड़ रुपए के वेंचर फंड की व्यवस्था भी की है। मुख्यमंत्री ने उद्यमी को आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी 'इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली स्टेट' के रूप में स्थापित करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने उम्मीद व्यक्त करते हुए कहा कि कॉर्पोरेट कुशलता और प्रदेश सरकार की पारदर्शी नीतियां मिलकर एक ऐसी 'सस्टेनेबल इकोनॉमी' का निर्माण करेंगी, जो पूरे देश के लिए एक उदाहरण बनेगी।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, खजान दास, विधायक उमेश शर्मा काऊ, उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, सचिव विनय शंकर पांडेय, एमडी सिडकुल डॉ. सौरभ गहरवार, अपर सचिव मनमोहन मैनाली शामिल हुए।

जल्द दौड़ेगी मुंबई-देहरादून वंदे भारत/सुपरफास्ट रेल सेवा

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर उत्तराखण्ड में रेल अवसंरचना के विस्तार, रेल संपर्क सुदृढ़ीकरण एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा, कुम्भ-2027 एवं प्रदेश में बढ़ते पर्यटन को ध्यान में रखते हुए मुंबई-देहरादून वंदे भारत/सुपरफास्ट रेल सेवा प्रारम्भ करने, देहरादून-कोटा रेल सेवा का सूरत-वडोदरा-मुंबई तक विस्तार करने तथा मुंबई-हरिद्वार और मुंबई-रामनगर रेल सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने का आग्रह किया। साथ ही ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर के विकास हेतु पुराने रेलवे स्टेशन की भूमि राज्य सरकार को हस्तांतरित करने, किच्छा-सितारगंज-खटीमा एवं टनकपुर-बागेश्वर रेल परियोजनाओं, हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन के दोहरीकरण तथा बनबसा स्टेशन पर प्रमुख रेल सेवाओं के अल्प ठहराव सहित विभिन्न जनहित के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री द्वारा बनबसा स्टेशन पर रेल सेवाओं के अल्प ठहराव को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान करते हुए अन्य प्रस्तावों पर सकारात्मक आश्वासन दिया।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम (आरकेपीएल) ने चिंताहरण महादेव मंदिर परिसर में चलाया झाड़ू

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत ब्रज क्षेत्र के स्थानों में चलाया जा रहा है अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। देश की अग्रणी तेल कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की रेवाड़ी-कानपुर पाइपलाइंस (आरकेपीएल) टीम द्वारा ब्रज क्षेत्र में 'स्वच्छता पखवाड़ा' के तहत बड़े स्तर पर सामाजिक और पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आरकेपीएल की टीम ने पुरानी गोकुल-महावन स्थित विश्व-प्रसिद्ध बाबा चिंताहरण महादेव मंदिर परिसर में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।

यह पूरा स्वच्छता अभियान रेवाड़ी-कानपुर पाइपलाइंस टीम के वरिष्ठ प्रबंधक टी.एम. शिवकुमार के नेतृत्व में 01 जुलाई से 15 जुलाई तक चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत टीम के सदस्यों द्वारा ब्रज क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर झाड़ू लगाकर सफाई की जा रही है और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत केवल सफाई ही नहीं की जा रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए टीम द्वारा स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के बीच पौधों का वितरण भी किया जा रहा है। स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण हमारे समाज की नींव हैं। ब्रज क्षेत्र के पावन स्थलों को स्वच्छ और हरा-भरा रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी भी है।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रेवाड़ी-कानपुर पाइपलाइंस टीम के अधिकारियों के मुताबिक, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम की आरकेपीएल टीम द्वारा 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत ब्रज क्षेत्र के अलग-अलग ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों पर लगातार इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और सिंगल-यूज प्लास्टिक के खिलाफ प्रेरित करना है। चिंताहरण महादेव मंदिर में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम के दौरान हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रेवाड़ी-कानपुर पाइपलाइंस के कई अधिकारी और टीम मेंबर्स मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से अमित कुमार, आयुष्मान, पंत, अर्पित, राहुल, आनंद, प्रदीप शर्मा, राजेन्द्र, जितेश टीम के सभी सदस्यों ने श्रमदान करते हुए मंदिर परिसर को स्वच्छ बनाने में अपना सक्रिय योगदान दिया। स्थानीय नागरिकों और मंदिर के मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह तरकर ने हिन्दुस्तान पेट्रोलियम रेवाड़ी-कानपुर पाइपलाइंस टीम की इस अनुकरणीय पहल की सराहना की है।

परिवार ने पुलिस से सुरक्षा की लगाई गुहार, एसएसपी को सौंपा प्रार्थना पत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र निवासी महिला नूतन ने अपने परिवार के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को प्रार्थना पत्र देकर अपने और अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में महिला ने बताया कि उनके पिता का हाल ही में निधन हो गया था। ओर घर पर पिता की तेहरवीं होने जा रही है। महिला का आरोप है कि दूसरे पक्ष के कुछ लोगों द्वारा उनके घर आकर विवाद उत्पन्न करने और शांति व्यवस्था प्रभावित करने की आशंका है। महिला का आरोप यह भी है कि हाल ही में कुछ लोग जो कि उनके परिवार से जुड़े है उनके घर पहुंचे थे, जिससे परिवार में भय का माहौल बन गया।

प्रार्थना पत्र में महिला ने पुलिस से मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने, परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संभावित विवाद को रोकने की मांग की है।

नोटः मामला संबंधित पक्ष की शिकायती पत्र पर आधारित है। प्रकरण की जांच एवं पुलिस की कार्रवाई के बाद ही तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि होगी।

कांवड़ यात्रा के लिए अविलंब व्यवस्थाएं दुरुस्त करें: नगरायुक्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

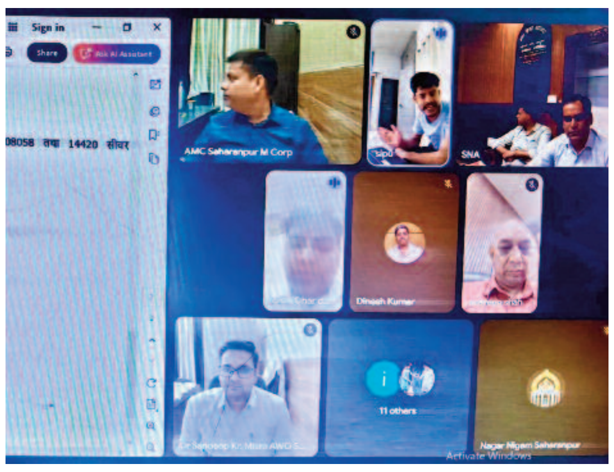

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने कांवड़ यात्रा में निगम द्वारा की जाने वाली तैयारियों पर निगम अधिकारियों के साथ ऑन लाइन मंथन किया। उन्होंने कांवड यात्रा को पूरी तरह प्लास्टिक/पॉलीथिन मुक्त रखने तथा कांवड मार्ग पर स्वच्छता के लिए कूड़ा नियंत्रण पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा के लिए कैमरों द्वारा की जाने वाली निगरानी, साफ-सफाई, एंटी लार्वा व चूना आदि के छिड़काव, पेयजल आपूर्ति, कांवड़ियों के स्नान के लिए जलापूर्ति, मोबाइल टॉयलेट, प्रकाश व्यवस्था आदि सभी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए अविलंब कार्ययोजना तैयार कर उसे क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

नगरायुक्त ने कांवड़ यात्रा पर कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए कैमरों की जानकारी ली, जिस पर जीएम स्मार्ट सिटी दिनेश सिंघल ने बताया कि कैलाशपुर से पीएण्डटी सेंटर अंबाला रोड तक 90 कैमरे रहेंगे, इसके अलावा पांच स्थानों से बढ़ाकर दस स्थानों पर पब्लिक एडेज्स सिस्टम की व्यवस्था रहेगी। नगरायुक्त ने कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत कांवड़ यात्रा पर अतिक्रमण अभियान चलाने के निर्देश प्रवर्तन दल को दिए। उन्होंने पार्किंग, वेंडिंग तथा पेड़ों की कंटाई-छंटाई आदि व्यवस्थाओं को समय से पूरी तरह दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कांवड़ शिविरों में पेयजल की आपूर्ति तथा कांवड़ियों के स्नान के लिए निर्धारित स्थलों पर मिनी सबमर्सिबल बोरिंग की व्यवस्था करने, पानी के टैंक व मोबाइल टैंकरों की व्यवस्था के अलावा प्रत्येक कांवड़ शिविर में आवश्यकतानुसार शावर, टोंटी तथा पाइप आदि की व्यवस्था शिविर शुरू होने से पहले ही करने के निर्देश दिए। स्वच्छता के लिए उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्ग पर स्वच्छता के लिए आवश्यक है कि कूड़ा फैलने से रोका जाए, उन्होंने बडे. कूड़ा कंटेनरों के अलावा शिविरों के आस-पास छिद्रयुक्त ड्रम आदि रखने का भी सुझाव दिया ताकि पत्ते-गिलास आदि डिस्पोजेबल सामग्री उसमें एकत्रित की जा सके। नगरायुक्त ने इसके अतिरिक्त भी अनेक व्यवस्थाओं के सम्बंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ऑन लाइन बैठक में अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, सहायक नगरायुक्त जे पी यादव, बिकास धर दुबे, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. प्रवीण शाह व पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी तथा उद्यान प्रभारी डॉ. संदीप मिश्रा के अलावा निगम के सभी विभागाध्यक्ष और अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश की समृद्ध वन संपदा का संरक्षण एवं संवर्धन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है : सुबोध उनियाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। वन मंत्री उत्तराखंड, सुबोध उनियाल ने आज राज्य वन मुख्यालय, देहरादून में विभागीय कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान वन विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, वन संरक्षण, वनीकरण, जैव विविधता के संवर्धन, वनाग्नि प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उनियाल ने कहा कि प्रदेश की समृद्ध वन संपदा का संरक्षण एवं संवर्धन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक तकनीकों, जनसहभागिता तथा प्रभावी कार्ययोजना के माध्यम से उत्तराखंड के पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ करते हुए वन संरक्षण एवं वन्यजीव सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर सुरक्षित रहे और भावी पीढ़ियों के लिए एक हरित एवं समृद्ध उत्तराखंड का निर्माण हो सके।

एसएसबी ने लगाया निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर, 110 पशुओं का हुआ उपचार

वेलकम इंडिया संवाददाता

खुनुवा/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र शोहरतगढ़ के सीमावर्ती गांव बगहवा में शुक्रवार को 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की ओर से सहायक कमाण्डेंट अभिषेक सिंह के नेतृत्व में निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र के पशुपालकों को बेहतर पशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा पशुओं में होने वाली मौसमी बीमारियों के प्रति जागरूक करना रहा।

शिविर में एसएसबी के पशु चिकित्सक डॉ0 सूर्यपाल ने पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान कुल 110 विभिन्न पशुओं का परीक्षण कर आवश्यक उपचार किया गया तथा 30 पशुपालकों को पशुओं में पाये गये रोगों के अनुसार निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया।

साथ ही पशुपालकों को पशुओं के उचित रखरखाव, सन्तुलित आहार, साफ-सफाई तथा समय पर टीकाकरण के संबंध में भी जानकारी दी गई। शिविर के दौरान पशुपालकों ने पशुओं में होने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में चिकित्सक से परामर्श लिया और उपचार सम्बन्धी आवश्यक सुझाव प्राप्त किये। एसएसबी के इस प्रयास की ग्रामीणों ने सराहना करते हुए इसे पशुपालकों के लिए लाभकारी बताया। कार्यक्रम में हेड कांस्टेबल (वेटनरी) सतीश कुमार, कांस्टेबल सचिन सहित एसएसबी के अन्य जवान मौजूद रहे।

इस अवसर पर सहायक कमाण्डेंट अभिषेक सिंह ने कहा कि बरसात का मौसम पशुओं के लिए अत्यंत संवेदनशील होता है। इस दौरान पशुओं में संक्रमण, खुरपका-मुंहपका, गलघोटू, त्वचा सम्बन्धी रोग तथा परजीवी संक्रमण जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

उन्होंने पशुपालकों से अपील की कि पशुओं को साफ एवं सूखे स्थान पर रखें, पीने के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध कराएं, नियमित रूप से पशुशाला की सफाई एवं कीटाणुनाशक का छिड़काव कराएं तथा किसी भी प्रकार के बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरन्त पशु चिकित्सक से सम्पर्क करें। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार और सावधानी बरतकर पशुओं को अधिकांश मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है। साथ ही एसएसबी सीमावर्ती क्षेत्रों में जनकल्याण एवं पशुपालकों की सहायता के लिए समय-समय पर ऐसे शिविर आयोजित करती रहेगी।

गुडम आयुर्वेदिक चिकित्सालय में औषधीय वृक्षारोपण, फार्मासिस्ट की विदाई जल्द

वेलकम इंडिया संवाददाता

छुटमलपुर। देसी जड़ी-बूटियों से नई जिंदगी देने वाले डॉ. प्रवेश कुमार का रिटायरमेंट 31 को छुटमलपुर की जनता की सेवा को ही अपना परम धर्म मानने वाले और क्षेत्र में दूसरे भगवान के रूप में पहचान बना चुके राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय ग्राम गुडम (छुटमलपुर) के वरिष्ठ फार्मासिस्ट प्रवेश कुमार सिंह आगामी 31 जुलाई 2026 को अपनी 60 वर्ष की अधिवर्षिता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त (रिटायर) होने जा रहे हैं अपनी सेवानिवृत्ति से ठीक पहले उन्होंने चिकित्सालय परिसर को हरा भरा और औषधीय गुणों से भरपूर बनाने के लिए एक विशेष वृक्षारोपण अभियान चलाया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार आयुष सचिव एवं निदेशक आयुर्वेद के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए फार्मासिस्ट प्रवेश कुमार सिंह ने अपने चिकित्सालय स्टाफ और गणमान्य लोगों के सहयोग से चिकित्सालय परिसर में पांच महत्वपूर्ण औषधीय पौधे आंवला हरड़, बहेड़ा त्रिफला शतावरी और अश्वगंधा रोपे गौरतलब है कि इससे पहले भी उनके प्रयासों से यहाँ नीम गिलोय तुलसी, ग्रीन टी अजवाइन पुदीना आम अमरूद और नींबू के पौधे लगाए जा चुके हैं, जिससे यह परिसर अब एक जीवंत औषधीय उपवन का रूप ले चुका है इस चिकित्सालय के नए भवन के अस्तित्व में आने की कहानी भी बेहद प्रेरणादायक है ग्राम गुडम स्थित इस चिकित्सालय के लिए लगभग 1 बीघा जमीन अलावलपुर भगवानपुर उत्तराखंड के स्वर्गीय लम्बरदार श्री प्रेम सिंह शाद द्वारा दान में दी गई थी इस दान की भूमि को फार्मासिस्ट प्रवेश कुमार सिंह ने अपने कड़े प्रयासों से वर्ष 2018 में माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश सरकार के नाम नामित कराया इसके बाद तत्कालीन आयुष मंत्री डॉ. धर्म सिंह सैनी, वर्तमान उप निदेशक आयुर्वेदिक सेवाएं उत्तर प्रदेश व तत्कालीन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी सहारनपुर डॉ. राम कृपाल के संयुक्त प्रयासों और वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार व आयुष मंत्री डॉ. दया शंकर मिश्र की विशेष कार्य योजना के चलते इस भव्य नवीन भवन का निर्माण संपन्न हुआ। यह नया अस्पताल बीते 10 जुलाई 2024 को पूरी तरह संचालित हुआ था प्रवेश कुमार सिंह केवल एक सरकारी कर्मचारी नहीं बल्कि छुटमलपुर क्षेत्र के लिए एक मसीहा की तरह रहे हैं ग्रामीण उनके व्यवहार और इलाज की कायल है ग्रामीणों का कहना है कि डॉक्टर साहब ने अपनी देसी जड़ी बूटियों और सटीक इलाज से ऐसे-ऐसे मरीजों को नई जिंदगी दी है जो हर जगह से निराश हो चुके थे वे बेहद नेक दिल इंसान हैं जनता रात दिन उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए दुआएं करती है काश हर अस्पताल में ऐसे डॉक्टर हों तो जनता को कभी परेशान न होना पड़े।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से बदलती युवाओं की तकदीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ जी का स्पष्ट संकल्प है कि प्रदेश का प्रत्येक युवा आत्मनिर्भर बने, अपने कौशल और प्रतिभा के बल पर स्वयं का रोजगार स्थापित करे तथा दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करे। इसी दूरदर्शी सोच को साकार करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान आज हजारों शिक्षित युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा प्रदान कर उन्हें रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बना रही है। जनपद प्रतापगढ़ में भी इस योजना के उत्साहजनक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत शिक्षित युवाओं को उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में अपना उद्यम स्थापित करने के लिए रुपए 5 लाख तक का ब्याजमुक्त ऋण तथा 10 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पहल ने अनेक युवाओं के सपनों को साकार किया है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं। इस योजना से लाभान्वित होने वाले युवाओं में आशीष यादव पुत्र सुरेश चन्द्र यादव नियर कम्पनी गार्डेन दहिलामऊ का नाम प्रमुख है। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से रुपए 5 लाख का ऋण प्राप्त कर साइबर कैफे की स्थापना की। आज उनका साइबर कैफे ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल सेवाएँ, प्रिंटिंग, स्कैनिंग तथा विभिन्न सरकारी सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बन

चुका है। इससे उनकी आय में वृद्धि हुई और उनके साथ चार अन्य लोगों को भी रोजगार प्राप्त हुआ। इसी प्रकार अमरजीत निवासी पट्टी रायपुर शर्मा ने योजना के अंतर्गत रुपए 5 लाख का ऋण प्राप्त कर पैथोलॉजी लैब की स्थापना की। आज उनकी लैब क्षेत्रवासियों को गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाएँ उपलब्ध करा रही है। पहले लोगों को छोटी-छोटी जांचों के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो रही हैं। उनके इस उद्यम ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत की, बल्कि चार अन्य युवाओं को भी रोजगार उपलब्ध कराया। योजना की सफलता की एक और प्रेरणादायी मिसाल अब्दुल समद निवासी करनपुर देहात नरसिंहभान सदर की है। उन्हें सिलाई कार्य का अनुभव तो था, लेकिन पर्याप्त पूंजी के अभाव में वे अपना व्यवसाय शुरू नहीं कर पा रहे थे। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत रुपए 5 लाख का ऋण प्राप्त होने के बाद उन्होंने आधुनिक मशीनों के साथ सिलाई एवं परिधान निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया। आज उनका उद्यम सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है और उनके साथ चार अन्य लोगों को भी रोजगार प्राप्त हुआ है। इन तीनों युवाओं की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि युवाओं को समय पर आर्थिक सहयोग, उचित मार्गदर्शन और सरकार का विश्वास मिले तो वे अपने जीवन की दिशा बदल सकते हैं। आज ये तीनों केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत नहीं बना रहे हैं, बल्कि अपने उद्यमों के माध्यम से समाज में रोजगार सृजन कर आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान जैसी योजनाएँ युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रही हैं। यह योजना साबित कर रही है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्र तक पहुँचने पर सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की नई कहानी लिखी जा सकती है। आज आशीष यादव, अमरजीत और अब्दुल समद जैसे युवा हजारों शिक्षित युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

डीएम ने शिवापार गो-आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

गोवंशों के भूसा, चारा, पानी व अन्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और बेहतर देखभाल के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा आज बघौली विकासखंड के गो-आश्रय स्थल शिवापार का स्थलीय निरीक्षण कर गोवंशों के संरक्षण व गौशालाओं के सुचारू संचालन के संबंध में विभिन्न बिंदुओं का जायजा लिया गया।

गो-आश्रय स्थल शिवापार का निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गोशाला में 68 गोवंश संरक्षित है। मौके पर 25 कुंतल भूसा व चोकर उपलब्ध पाया गया, साइलेज उपलब्ध नहीं था। मौके पर पाया गया कि पशुओं हेतु हरे चारे की बुवाई की गई है। बताया गया कि दो केयरटेकर रात में गोवंशों की देखरेख के लिए रहते हैं। जिलाधिकारी द्वारा टीन शेड टूटा हुआ पाए जाने पर खंड विकास अधिकारी बघौली को उसे बदलवाने के लिए निर्देशित किया गया।

गो-आश्रय स्थल में आरआरसी सेंटर बनाए जाने पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को इसका औचित्य परीक्षण कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। गो-आश्रय स्थल में खड़ंजा लगाने के लिए जिलाधिकारी द्वारा खंड विकास अधिकारी बघौली को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी बघौली अर्जित प्रकाश, ओएसडी राकेश कुमार सहित संबंधित आदि उपस्थित रहे।

बस की टक्कर से गोवंश घायल, हिंदू संगठनों में रोष; कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे की बड़ी नहर पुल पर एक निजी बस की टक्कर से एक गोवंश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक बस लेकर मौके से फरार हो गया। मामले को लेकर हिंदू संगठनों में रोष व्याप्त है।हिंदू संगठनों के लोगों ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। कस्बे की बड़ी नहर पुल के समीप एक निजी बस के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक गोवंश को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गोवंश सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद बस चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया। गोवंश की दुर्दशा पर हिंदू संगठनों में रोषबना हुआ है। मामले में कस्बा निवासी अक्षय शर्मा और अनुज कश्यप ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तत्काल सुरक्षित कर बस और चालक की पहचान की जाए, ताकि साक्ष्य नष्ट न हो सकें। और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए।और आरोप लगाया गया है कि संबंधित बस से जुड़े कुछ लोगों द्वारा बड़ी नहर की पटरी के आसपास सार्वजनिक स्थान पर अवैध कब्जा कर शोर-शराबा और अभद्रता की जाती है। इस मामले की भी जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

बरसात में टापू बना काजीपुरा, पानी से होकर स्कूल जाने को मजबूर बच्चे

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। विकासखंड क्षेत्र के गांव अम्बेहटा के मजरा काजीपुरा में लगातार विगत तीन दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद हालात बेहद खराब हो गए हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से पूरा गांव जलभराव की चपेट में आ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव टापू में तब्दील हो गया है और लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्होंने गांव की जल निकासी और विकास कार्यों को लेकर कई बार ग्राम प्रधान एवं विकासखंड अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

लापरवाही के चलते बारिश का पानी गांव की गलियों और रास्तों में भर गया है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया हैसोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में स्कूली बच्चे पीठ पर बस्ता लटकाए घुटनों तक भरे पानी से होकर स्कूल जाते दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में बच्चे जोखिम उठाकर पानी के बीच से गुजरते नजर आ रहे हैं, जिसे देखकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और ग्रामीणों ने प्रशासन से समाधान की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी और सड़क निर्माण जैसे विकास कार्य कराए गए होते तो आज उन्हें इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने प्रशासन से गांव का निरीक्षण कराकर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

थाना दुधारा पुलिस ने महिला के साथ दुष्कर्म करने के मामले में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। दुधारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पकड़ी अराजी के पास से दबिश देकर महिला के साथ दुष्कर्म करने के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर सम्बंधित न्यायालय भेज दिया।

महिलाओं पर अपराधों के रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थानाध्यक्ष दुधारा अमित कुशवाहा के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 अनिल मिश्रा, हे0का0 राजेश प्रसाद, का0 गुड्डू यादव ने मु0अ0सं0 282/2026 धारा 64(1), 115(2), 352, 351(3) बीएनएस व 67 ए आईटी एक्ट के मामले में वांछित अभियुक्त संदीप प्रजापति पुत्र जवाहिर प्रजापति निवासी पकड़ी अराजी डिबहारी को शुक्रवार को पकड़ी अराजी के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। विदित हो कि वादिनी द्वारा दिनाँक 07.07.2026 को थाना दुधारा पर उक्त अभियुक्त के विरुद्ध वादिनी के साथ दुष्कर्म करने व वीडियो बनाकर ब्लैक मेल करने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

रालोद संसदीय बोर्ड सदस्य सुखबीर सिंह गठीना का स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर मार्ग स्थित जिला पंचायत सदस्य अरविंद पंवार के प्रतिष्ठान पर राष्ट्रीय लोकदल के संसदीय बोर्ड सदस्य चौधरी सुखबीर सिंह गठीना का क्षेत्र के कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान पूर्व शामली विधानसभा प्रत्याशी बिजेंद्र प्रधान ने कहा कि केंद्रीय मंत्री एवं रालोद राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के प्रयासों से शामली जनपद को कई महत्वपूर्ण सौगातें मिली हैं।

उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए केंद्रीय विद्यालय, खिलाड़ियों के लिए स्टेडियम तथा विभिन्न सड़क निर्माण कार्य कराए गए हैं, जिससे क्षेत्र के विकास को गति मिली है।चौधरी सुखबीर सिंह गठीना ने कहा कि उन्हें चौधरी परिवार की तीनों पीढ़ियों के साथ काम करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी युवा, शिक्षित और दूरदर्शी नेता हैं, जो किसानों, मजदूरों और युवाओं के हितों के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद रालोद अपनी विचारधारा पर कायम है।

उन्होंने यह भी कहा कि किसानों और कोल्हू संचालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए गन्ना कोल्हू ड्राफ्ट बिल को वापस कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई, जिससे संभावित नुकसान टल गया। कार्यक्रम में विनोद प्रधान, दुष्यंत शर्मा, हरेंद्र मास्टर, विनोद पंवार, विक्रम पंवार, जय कुमार, रविंद्र मलिक, देशपाल, गुलजार, इरफान तुर्की, महावीर कश्यप, भूपेंद्र चौधरी, कपिल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष का स्वागत, बोले- अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल का क्षेत्र के कस्बा एलम पहुंचने पर कार्यकताओं नें स्वागत किया। पूर्व चेयरमैन पति अश्विन पंवार के नेतृत्व में आयोजित स्वागत समारोह में उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहित बेनीवाल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा और समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर नल से जल, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना और स्वामित्व योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों से उनका शीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया।

कांग्रेस की चंडीगढ़ मीटिंग में सुरजेवाला ने माना कि पंजाबीयों के बिना हरियाणा में सत्ता नहीं पर सकते: हरीश चन्द्र आजाद

कांग्रेस को पंजाबी वोट बैंक वापिस पाने के लिए रिफ्यूजी कानून बनवाने में पंजाबी समाज के साथ खुलकर खड़ा होना पड़ेगा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

फरीदाबाद। पंजाबी नेता हरीश चन्द्र आजाद ने कहा कि कांग्रेस की चंडीगढ़ मीटिंग में सुरजेवाला ने माना कि कांग्रेस की पंजाबी विरोधियो नीतियों की वजह से उनका सबसे मजबूत पंजाबी वोट बैंक कांग्रेस से खिसक कर बीजेपी में चला गया हैं। सुरजेवाला से साफ साफ शब्दों में कहा कि पंजाबीयों के बिना कांग्रेस हरियाणा में सत्ता नहीँ पर सकती। हरीश आजाद ने कहा कि कांग्रेस को अगर हरियाणा में सत्ता पानी हैं तो सबसे पहले पंजाबीयों के कट्टर विरोधी हुडा के हाथों से कमान लेनी होंगी क्योंकि भूपेंद्र हुड्डा के होते हुए पंजाबी समाज किसी भी कीमत पर कांग्रेस के साथ नहीँ आएगा उन्होंने कहा कि पंजाबी समाज को बीजेपी ने पूरा मान सम्मान दिया हैं लेकिन मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री हटाकर बीजेपी ने पंजाबी समाज का कुछ भरोसा खोया हैं इसलिए अगर कांग्रेस पंजाबी वोट बैंक के वापिस पाना चाहती हैं तो पार्टी में पंजाबी समाज को कमान दें और पंजाबी बाहुल्य विधानसभा क्षेत्रों में पंजाबी उम्मीदवार खड़े करने होंगे, पंजाबीयों की संख्या के हिसाब से कम से कम 25 टिकट पंजाबी समाज को देने होंगे। आजाद ने साफ साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस को अपना पंजाबी वोट बैंक वापिस पाने के लिए पंजाबी समाज के लिए बीजेपी से बड़ी रेखा खींचनी होंगी। आजाद ने कहा कि इस समय कांग्रेस के पास मौका भी हैं पंजाबी वोट बैंक वापिस लाने का, इस समय हरियाणा में पंजाबी समाज रिफ्यूजी कानून की माँग जोरो पर कर रहा हैं इसलिए कांग्रेस को खुलकर इस कानून के लिए पंजाबी समाज के साथ हर जिलें में खड़ा होना चाहिए अगर कांग्रेस इस मोके को भुना पाई तो कांग्रेस हरियाणा में अपना पंजाबी वोट बैंक वापिस पाकर सत्ता तक पहुँच सकते हैं।

बीएमसीटी मार्ग पर प्रमुख चौराहों पर नाला निर्माण नहीं होने के विरोध में प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बीएमसीटी बस्ती-मेहदावल मार्ग पर स्थित दुधारा चौराहे पर नाला निर्माण नहीं होने से सड़क के किनारे जलजमाव के विरोध में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। ग्रामीण सैफ खान, रिजवान अहमद, कमरे आलम, उबैद खान,हाफिज अब्दुल अजीज, परवेज अहमद, हबीब,निसार अहमद, लौटू,तबरेज अहमद, मुहम्मद अहमद अब्दूर्रशीद आदि ने कहा कि नाला निर्माण नहीं होने से सड़क से घर तक जाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर जल्द समस्याओ का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

नगर निगम ने शहर में जल निकासी के लिए झोके संसाधन

सक्सन मशीन, मड पंप व इलेक्ट्रिक मड पंप से युद्ध स्तर पर किया जल निकासी कार्य

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। एक ओर जहां लगातार हो रही बारिश से शहर के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है, वहीं दूसरी ओर नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देशन में नगर निगम ने जल निकासी के लिए अपनी पूरी ताकत झोक दी हैं। वाटर सक्सन मशीनों, मड पम्प व जेसीबी आदि मशीनों के साथ निगम के सफाई कर्मचारी भारी बारिश में लगातार जल निकासी के लिए काम कर रहे है।

नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ.प्रवीण शाह ने बताया कि शहर में जलभराव की समस्या को देखते हुए नगर निगम ने जलभराव के सम्बंध में मिलने वाली शिकायतों तथा निचले इलाकों से जल निकासी के लिए अपने सभी संसाधनों का उपयोग करते हुए भारी बारिश के बीच युद्ध स्तर पर काम किया है। उन्होंने बताया कि आधा दर्जन वाटर सक्सन मशीन, एक टैज्क्टर सेंट्रल फ्यूगल पंप तथा करीब डेढ़ दर्जन मड पम्प की मदद से कलक्ट्रेट, मंडलायुक्त कार्यालय तथा जनमंच क्षेत्र के अलावा वार्ड 63, 34, 16, 08, 20, 09, 39, 26 व वार्ड 31 से जल निकासी का कार्य किया गया।

उन्होंने बताया कि वार्ड 26 नंदपुरी कॉलोनी इलेक्ट्रिक मड के पास तथा इसी वार्ड में रॉय नगर कॉलोनी में मनदीप सैनी के आवास के पास कॉलोनी में जल भराव होने के कारण मड पंप चलाया गया है। इसके अलावा इसी वार्ड में अमर शहीद स्कूल के पास इलेक्ट्रिक मड पंप चलाया गया है।इसी कड़ी में वार्ड 26 न्यू नंदपुरी कॉलोनी गेंदी देवी मंदिर के निकट तथा प्रकाश लोक कॉलोनी जोनल पंपिंग स्टेशन पर नाला ओवरफ्लो होने के कारण डीजल मड पंप व इलेक्ट्रिक मड पंप दोनों चलाए गए हैं। वार्ड 31 नया बॉस, कॉलोनी रविदास जी मंदिर के पास तालाब पर, इसी वार्ड में एकता कॉलोनी तथा अमन विहार कॉलोनी बड़ी नहर के पास मड पंप चलाया गया है।

वार्ड 9 मनोहरपुर 100 फुटा गलीरा रोड पर इलेक्ट्रीक मड पम्प से जल निकासी की गयी है। इसके अतिरिक्त वार्ड नंबर 20 दाबकी जुनारदार तालाब पर, वार्ड 8 पुराना कलसिया रोड विश्वास नगर कॉलोनी आइडियल पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड 39 न्यू इंदिरा कॉलोनी पेपर मिल रोड पर तथा वार्ड 40 स्टेडियम के बाहर जनमंच के पास नाले पर मड पंप लगाकर जल निकासी की गयी है। मुख्य सफाई निरीक्षक परमानंद ने बताया कि कुछ नालों में फ्लोटिंग जमा हो जाने के कारण पानी बाहर आ गया था, ऐसे स्थानों पर जेसीबी व पोकलेन लगाकर फ्लोटिंग बाहर निकालते हुए जल निकासी की गयी है।

खंद्रावली रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आकर अज्ञात युवक की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के खंद्रावली रेलवे स्टेशन के समीप सहारनपुर से दिल्ली की ओर जा रही एक ट्रेन की चपेट में आने से करीब 30 वर्षीय अज्ञात युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि युवक का शव कई हिस्सों में बिखर गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पीएम के लिए भेज दिया है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक रेलवे ट्रैक के पास खड़ा था। इसी दौरान सहारनपुर से दिल्ली की ओर तेज गति से जा रही ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को कुछ दूरी पर रोक दिया और तत्काल रेलवे अधिकारियों व जीआरपी को घटना की सूचना दी।सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसके पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुआ, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी। जीआरपी पुलिस आसपास के थानों को सूचना देने के साथ-साथ मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

कार्मिकों, पेंशनर्स की मांगों को प्रमुखता से उठाने फेडरेशन को सुदृढ़

वेलकम इंडिया ब्यूरो

इंदौर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने इंदौर क्षेत्र में दो दिवसीय बैठकों के दौरान फेडरेशन के साथियों से चर्चा करते हुए कहा कि संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों, कंपनी कैडर कार्मिकों, नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्यायों को प्रमुखता से प्रशासन, प्रबंधन के समक्ष रखने के लिए फेडरेशन को और अधिक सुदृढ़ और अधिक सक्रिय करना होगा।

उन्होंने सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्यायों पर विस्तृत चर्चा कर सभी से अनुरोध किया कि हम सबको एकजुट होकर संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कार्मिकों, नियमित कर्मचारियों, कंपनी कैडर कार्मिकों और पेंशनर्स से लगातार सम्पर्क और संवाद करना हम सबकी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि फेडरेशन की प्राथमिकता है कि 15 वर्षों से कार्यरत सभी संविदा कर्मियों को बिना शर्त नियमित किया जाए। आउट सोर्स कर्मचारियों को नई भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए। अनेक श्रेणियों में लम्बे समय से व्याप्त वेतन विसंगति दूर की जाएं। पेंशनर्स के हित में शीघ्र धारा 49 को समाप्त किया जाए। नियमित कर्मचारियों के साथ पेंशनर्स को महंगाई राहत, पेंशन राहत दी जाएं।

सभी बिजली कंपनियों के पेंशनर्स के हित में राज्य सरकार पेंशन की गारंटी ले। इसी दौरान मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन एवं प्रशासन से मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक, एनके यादव, उमाशंकर मेहता, मदन वर्मा, अबसार अहमद, रामेश्वर गांगे, दिलीप शर्मा, उम्मेदसिंह राजपूत, एनके जैन, प्रकाश व्यास, वीरेंद्र प्रताप मिश्रा, कन्हैयालाल परमार, आत्माराम खरेडिया, मदनलाल बौरासी, किशोर सोनी, जेएल जोशी, कार्तिक शर्मा, पुष्पेन्द्र यादव सहित साथियों ने सौजन्य भेंट कर संविदा कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी एक्ट 1972 के प्रावधानों के आदेश जारी करने के साथ ही अन्य श्रमिक समस्याओं पर चर्चा की। सीजीएम ने ग्रेच्युटी के आदेश शीघ्र निकालने और अन्य विषयों पर शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

पेड़ नहीं तो कल नहीं हरियाली बचाने का संदेश लेकर मैदान में उतरे अधिकारी और छात्र

जब छात्रों ने उठाए पौधे, तो गूंज उठा संदेश पेड़ बचेंगे, तभी भविष्य बचेगा

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी/चंदौली। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने के उद्देश्य से पूर्वांचल पोस्ट फाउंडेशन, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित दस दिवसीय वृक्षारोपण संकल्प अभियान के नौवें दिन शुक्रवार को विकासखंड के छुछाड़ गांव स्थित आदर्श जनता इंटर कॉलेज, चतुरीपुर परिसर में चंद्रप्रभा रेंज, काशी वन्यजीव प्रभाग रामनगर के सहयोग से भव्य पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, वन विभाग के अधिकारियों तथा ग्रामीणों ने आम, आंवला, बेल, जामुन, अमरूद और सागौन सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व स्वतंत्र निदेशक पावर ग्रिड ऑफ इंडिया एवं पूर्व विधायक शिव तपस्या पासवान, चंद्रप्रभा वन क्षेत्राधिकारी अखिलेश दूबे, समाजसेविका डॉ.रीना तथा विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह ने संयुक्त रूप से पौधरोपण कर किया इसके बाद पर्यावरण संरक्षण विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई।

पूर्व स्वतंत्र निदेशक पावर ग्रिड ऑफ इंडिया एवं पूर्व विधायक शिव तपस्या पासवान ने कहा कि यदि धरती को रहने योग्य बनाए रखना है तो वृक्षों का संरक्षण सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। पेड़ केवल छाया और ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि जल, जलवायु, जैव विविधता और मानव जीवन के सबसे मजबूत आधार हैं। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी अपने जीवन में कम से कम एक पौधे को वृक्ष बनाने का संकल्प ले यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा।

वन क्षेत्राधिकारी अखिलेश दूबे ने कहा कि वृक्षारोपण का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब लगाए गए पौधे सुरक्षित रहकर वृक्ष बनें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए प्रत्येक परिवार को हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी निभानी चाहिए प्रकृति हमें जीवन देती है इसलिए उसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।

समाजसेविका डॉ.रीना ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण के दौर में वृक्षारोपण सबसे प्रभावी समाधान है यदि प्रत्येक परिवार अपने घर या आसपास एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पूरे क्षेत्र का पर्यावरण बदल सकता है उन्होंने छात्रों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी केंद्र है। विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना समय की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि यदि युवा पीढ़ी हरियाली बचाने का संकल्प ले ले, तो भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाएगा।

कार्यक्रम में अध्यक्ष हिम्मत बहादुर सिंह, प्रधानाचार्य अजय भारती, भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अशोक कुमार, पूर्वांचल पोस्ट फाउंडेशन के प्रबंधक प्रशांत कुमार, दीपक रंजन सिंह, संतोष भारती, पत्रकार अम्बुज मोदनवाल, राम अशीष भारती, राम तीरथ, पूर्व प्रधान दीनानाथ मौर्य, सूर्यकांत पाण्डेय, प्रिंस कुमार सिंह, विनोद पाण्डेय, धर्मेंद्र यादव, बृजेश ओझा, उपाध्यक्ष शीतला केशरी, हर्ष करन वर्मा, मोहम्मद आजाद, कोषाध्यक्ष अमरदीप गुप्ता, सौरभ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए पौधरोपण किया कार्यक्रम का संचालन गोविंद श्रीवास्तव ने किया।

बच्चों का भविष्य संवारें स्कूल में नामांकन कराएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

मिजार्मुराद। आराजी लाइन ब्लॉक के चक्रपानपुर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने शुक्रवार को सामाजिक संस्था सोल्स आर्क के साथ स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। जिसमें स्कूल के बच्चे गांव में भम्रण कर नारा लगा रहे थे आधी रोटी खाएंगे स्कूल पढ़ने जाएंगे, दिव्यांग जनों ने ठाना है, स्कूल हमें, जाना है, शिक्षित दिव्यांग सशक्त दिव्यांग, एक भी बच्चा छूट गया, संकल्प हमारा टूट गया, जैसे जन जागरूकता नारे के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने का कार्य किया। कार्यक्रम मुख्य उद्देश्य जन जागरूकता, शत प्रतिशत नामांकन, दिव्यांगता के प्रति जागरूक करने हेतु गांव में घर-घर संपर्क कर शिक्षक एवं शिक्षकों ने स्कूल में नामांकन कराने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापिका पूनम तिवारी ने किया। इस दौरान सोल्स आर्क के जिला समन्वयक आशीष शुक्ला, फील्ड ऑफिसर सुरेन्द्र और पुरुष, सहायक अध्यापक मनोज कुमार सिंह, ऋचा सिंह, शिवपूजन सिंह, रमेश कुमार पटेल, सोनिया, शशिकला, अविनाश कुमार समेत समस्त शिक्षक एवं शिक्षिका मौजूद रहे।

प्रियंका यादव के नेतृत्व में इनरव्हील क्लब ऑफ सृष्टि की नई टीम ने संभाली कमान

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। विश्व के सबसे बड़े महिला स्वयंसेवी संगठन इनरव्हील क्लब ऑफ सृष्टि (डिस्ट्रिक्ट-312, चार्टर संख्या- 5944) का स्थापना एवं पदग्रहण समारोह दस जुलाई शुक्रवार को कैंटोमेन्ट स्थित एक होटल मे गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर अपने दायित्वों का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। समारोह में वर्ष 2026-27 के लिए अंतरराष्ट्रीय इनरव्हील की थीम 'ऋ्रङ्क६ & ऋंङ्क४१२ँ' को अपनाते हुए समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने का संकल्प लिया गया।

नई कार्यकारिणी में प्रियंका यादव क्लब अध्यक्ष तथा स्नेहा गुप्ता क्लब सचिव, यामिनी अग्रवाल कोषाध्यक्ष, ज्योति एडिटर, छवि आइएसओ के रूप में पदभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय इनरव्हील की अध्यक्ष इंगेलॉग विंडहम, एसोसिएशन अध्यक्ष विनुथा हरिश तथा डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कमानी के नेतृत्व एवं प्रेरणादायी संदेशों को साझा किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्याओं एवं आमंत्रित अतिथियों ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आगामी सत्र में क्लब समाजहित एवं सेवा के नए आयाम स्थापित करेगा। क्लब के द्वारा किताब, सेनेटरी पेड, मोतियाबिन्द के ऑपरेशन का रुपए, सिलाई मशीन वितरण किया गया साथ ही तीन डायलिसिस के लिए सहयोग किया गया।

समारोह में जयंती सावंत, राशि खरे, यामिनी अग्रवाल, छवि अग्रवाल, स्नेह भसीन, सुधा श्रीवास्तव, सोनिया शाह, ज्योति गुप्ता, दीपिका, वंदना, सरोजनी, प्रतिभा, सुनीता, शशि सहित क्लब की अनेक सदस्याएं एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सीओ ट्रैफिक ने किया कांवड़ मार्गों का निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। श्रावण मास कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी (यातायात) भरत कुमार सोनकर द्वारा थाना स्याना व नरसैना क्षेत्रान्तर्गत कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, डायवर्जन प्वाइंट, पार्किंग स्थलों, संवेदनशील स्थानों तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात संचालन को सुचारू बनाए रखते हुए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। साथ ही दुर्घटना संभावित स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों का प्रभावी अनुपालन कराने के निर्देश दिए गए। प्रभारी निरीक्षक (यातायात) राजपाल तोमर सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सीओ (ट्रैफिक) ने मीडिया से वार्ता के दौरान कहा कि जनपद पुलिस कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

महिलाओं की प्रतिभा और उद्यमिता को मिलेगा नया मंच, 13 जुलाई को सजेगा भव्य राजस्थानी मेला

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। मारवाड़ी युवा मंच गंगा शाखा वाराणसी द्वारा महिलाओं के उद्यम, कला एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाला बहुप्रतीक्षित राजस्थानी मेला इस वर्ष 13 जुलाई 2026 को महमूरगंज स्थित शुभम बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया जाएगा। मेले की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और आयोजन को लेकर शहरवासियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार मेला प्रातः ग्यारह बजे से सायं आठ बजे तक चलेगा जिसमें लगभग 70 आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे। राजस्थानी मेले में सूरत की डायमंड ज्वेलरी, नवरत्न ज्वेलर्स के विशेष आभूषण, होम फैशन उत्पाद, आकर्षक साड़ियां, विविध डिजाइनों की राखियां, जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए ठाकुर जी के श्रृंगार एवं आभूषण, नवीनतम डिजाइनर परिधान तथा बच्चों के लिए रंग-बिरंगी पेंसिल एवं अन्य आकर्षक सामग्री प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

शाखा अध्यक्षा ने बताया कि यह आयोजन महिला उद्यमियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा तथा आगंतुकों को खरीदारी, स्वाद और संस्कृति का अनूठा अनुभव मिलेगा।

मारवाड़ी युवा मंच गंगा शाखा वाराणसी ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि वे 13 जुलाई को आयोजित होने वाले इस भव्य राजस्थानी मेले में अपने परिवार एवं मित्रों के साथ अवश्य पधारें। देश के विभिन्न राज्यों की कला, संस्कृति, फैशन, आभूषण, गृह सज्जा सामग्री एवं स्वादिष्ट व्यंजनों से सजा यह मेला सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ यह आयोजन खरीदारी, मनोरंजन और पारिवारिक आनंद का यादगार अवसर प्रदान करेगा।

मारवाड़ी युवा मंच वाराणसी गंगा की अध्यक्ष विनीता प्रसाद, सचिव सिल्की अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुषमा अग्रवाल, प्रचार मंत्री अंशु अग्रवाल तथा आयोजन की संयोजिकाएँ मनीषा अग्रवाल, स्मिता लोहिया, नीतू मुरारका, बबीता अग्रवाल, मीनू पोद्दार, मिली डीडवानिया, मेघा यादुका, राधा अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, वंदना रतेरिया उपस्थित रही।

विजयरानी न्यूज के संचालक अनूप कुमार सिंह ने महिला पत्रकार से किया मारपीट, कैंट पुलिस ने मुकदमा किया दर्ज

वाराणसी (वेलकम इंडिया)। कैंट थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में कवरेज के दौरान महिला पत्रकार से कथित मारपीट और गाली- गलौज के मामले में कैंट पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए विजयरानी न्यूज के संचालक अनूप कुमार सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार घटना की वीडियो फुटेज सामने आने के बाद नदेसर चौकी प्रभारी एवं कैंट पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कैंट थाने पहुंचाया। महिला पत्रकार की तहरीर के आधार पर कैंट थाने में एफआईआर संख्या 0336/2026 दर्ज की गई। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 74, 115(2) एवं 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है एफआईआर 10 जुलाई 2026 को शाम 5 :43 बजे दर्ज की गई। कैंट पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी वहीं घटना की फुटेज भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाई गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन, पारदर्शिता और अंत्योदय के मार्गदर्शन में पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ाया है: अंतुल तेवतिया

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। शुक्रवार को जिला पंचायत अध्यक्षा अंतुल तेवतिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विकास कार्यों को किया साझा। अध्यक्षा ने बताया है कि आज का यह अवसर केवल पाँच वर्षों के कार्यकाल का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि जनसेवा, विकास और विश्वास की उस यात्रा को आपके समक्ष रखने का है, जिसे हमने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ॄसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासॅ के संकल्प तथा उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन, पारदर्शिता और अंत्योदय के मार्गदर्शन में पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ाया है। पिछले पाँच वर्षों में हमारा एक ही उद्देश्य रहा—विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचे और कोई भी गाँव, विकास से वंचित न रहे।

ज़िला पंचायत बुलंदशहर ने केवल निर्माण कार्य नहीं किए, बल्कि गाँवों को शहरों से, गाँवों को गाँवों से और लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया। सड़क, संपर्क मार्ग, आधारभूत सुविधाएँ और ग्रामीण संरचना को सुदृढ़ करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही।

बुलंदशहर जनपद में माजरो सहित 951 ग्राम पंचायत है।अत्यंत संतोष के साथ कह सकती हूँ कि हमने लगभग प्रत्येक क्षेत्र तक विकास की किरण पहुँचाने का प्रयास किया। 965 गाँव तक ज़िला पंचायत के विकास कार्य पहुँच चुके है।जहाँ कहीं भी कुछ माजरे अभी शेष हैं, उन्हें आगामी कार्ययोजना में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ शामिल किया गया है। हमारा संकल्प स्पष्ट है—जब तक विकास की अंतिम किरण अंतिम मजरे तक नहीं पहुँचती, हमारी यात्रा पूर्ण नहीं होगी। यह पाँच वर्षों की उपलब्धियाँ किसी एक व्यक्ति की नहीं हैं। यह जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सदस्यों और सबसे बढ़कर बुलंदशहर की जागरूक जनता के सहयोग और विश्वास का परिणाम हैं। मैं मीडिया जगत का भी विशेष आभार व्यक्त करती हूँ।

ट्रैक्टर की स्टेरिंग में फंसकर किसान की हुई मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। अहमदगढ थाना क्षेत्र के गांव मुमरेजपुर के जंगल में स्थित ईट भट्टे पर ट्रेक्टर व स्टेयरिंग के मध्य फंसकर किसान की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक किसान क्षेत्र के गांव मुमरेजपुर निवासी दिनेशचंद्र 45 वर्ष पुत्र रामसिंह सुबह 8:00 बजे मृतक दिनेश भट्टे से ईट लेने गया था जैसे ही उसने अपना ट्रैक्टर भटे की ईंटों के चट्टेके पास लगाया ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया दिनेश स्टेरिंग और सीट के बीच में फस गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई घटना की सूचना पर मृतक के परिजन व थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया है।

तेज रफ्तार ट्रक ने कार में मारी टक्कर, एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। थाना क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में 13 वर्षीय किशोरी की हालत चिंताजनक बनी हुई है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है। परिजनों ने ट्रक चालक के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम गोधना निवासी त्रिवेंद्र सिंह चौहान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके भाई देशराज सिंह, भाभी पूनम देवी, भतीजे नीतिक चौहान, वैभव चौहान और 13 वर्षीय कोमल चौहान 7 जुलाई को एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए बेहजोई गए थे। अगले दिन 8 जुलाई की सुबह करीब 6 बजे जब वे कार से वापस लौट रहे थे, तभी खालौर स्टेडियम के पास सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से सीएचसी जहांगीराबाद ले जाया गया, जहाँ से चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल बुलंदशहर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में जांच के बाद 13 वर्षीय कोमल चौहान की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। वहीं, देशराज सिंह और पूनम देवी को बुलंदशहर के एक निजी अस्पताल में, जबकि नीतिक और वैभव चौहान को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित पक्ष ने ट्रक चालक के खिलाफ कोतवाली में नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिल्डिंग मटेरियल से लदी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आमने-सामने भिडंत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

इटवा/सिद्धार्थनगर। जनपद के इटवा - बढ़नी मार्ग पर शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। खानकोट से सेमरी जाने वाले मार्ग पर बिल्डिंग मटेरियल से लदी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरे।

प्रथम दृष्टया हादसे की वजह ओवरटेक करने का प्रयास माना जा रहा है, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी के हताहत या घायल होने की आधिकारिक सूचना नहीं है।

वहीं, बिल्डिंग मटेरियल को हुए नुकसान का भी अभी आकलन नहीं किया जा सका है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन मौके पर पहुंच गई है और राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

आईपीईसी में एआई आधारित 21वीं सदी के रोजगार कौशल पर तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न

वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से शिक्षकों को मिला एआई-सक्षम शिक्षण एवं उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी), गाजियाबाद के स्किल डेवलपमेंट सेल एवं वाधवानी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 8 से 10 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को एआई आधारित 21वीं सदी के रोजगार कौशल, आधुनिक शिक्षण तकनीकों एवं उद्योगोन्मुख दक्षताओं से सशक्त बनाना था, ताकि वे विद्यार्थियों को भविष्य की कार्य चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार कर सकें। कार्यक्रम का आयोजन वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, कैंपस निदेशक प्रो. (डॉ.) डी.के. शर्मा, डीन एकेडमिक्स प्रो. (डॉ.) अमित जैन तथा स्किल डेवलपमेंट सेल के एसपीओसी रॉकी सचान के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ एआई आधारित रोजगार कौशल का समावेश समय की आवश्यकता है। वाधवानी फाउंडेशन की सीनियर मास्टर ट्रेनर शिप्रा थप्पा ने प्रभावी संचार, समय प्रबंधन, आत्म-जागरूकता, नेतृत्व, पब्लिक स्पीकिंग, टीम बिल्डिंग, समस्या समाधान, प्रोफेशनल एटीकेट, एआई-संचालित रोजगार कौशल तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों पर व्यावहारिक एवं सहभागितापूर्ण सत्र आयोजित किए।

शिक्षकों ने केस स्टडी, समूह गतिविधियों और प्रायोगिक अभ्यासों में सक्रिय भागीदारी की। ट्रेन-द-ट्रेनर मॉडल पर आधारित इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों में क्रिटिकल थिंकिंग, कम्युनिकेशन, कोलैबोरेशन, क्रिएटिविटी और प्रॉब्लम-सॉल्विंग जैसे आवश्यक कौशल विकसित कर उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है। संस्थान ने इसे अकादमिक जगत और उद्योग के बीच की दूरी कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

समस्या का समाधान न होने पर पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन ने पुनः शुरू किया आमरण अनशन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। सरकारी भूमि से बनी मजार को प्रशासन द्वारा नहीं हटाए जाने पर पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक ने तहसील परिसर में शुक्रवार को फिर से आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक ने बताया कि दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग सिखेड़ा रोड के निकट सरकारी भूमि से बनी मजार को हटाए जाने की मांग समय से की जा रही है। पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन द्वारा अनेकों बार उपजिलाधिकारी मोदीनगर को व अन्य उच्चाधिकारियों जैसे जिलाधिकारी जिला गाजियाबाद व अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गाजियाबाद को वर्ष 2021 से ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराता आ रहा है। पिछले दिनों उनके द्वारा किया गया आमरण अनशन आश्वासन के बाद समाप्त कर दिया गया था। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने पुनः आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने प्रशासन से फिर दोबारा मांग की है कि उपरोक्त प्रकरण का वरीयता के आधार पर संज्ञान लेते हुये उपरोक्त वर्णित अवैध अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटवाते हुये, शहर को अतिक्रमण मुक्त कराकर दोषियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करे।

पुलिस सतर्कता से किशोर की जान बची, लोगों ने की पुलिस की सराहना

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस की सतर्कता और बहादुरी से एक 17 वर्षीय किशोर की जान बच गई। घटना 9 जुलाई की शाम की है, जब जगतपुरी निवासी किशोर निवाड़ी रोड पर लगे वाटर कूलर से पानी पीने पहुंचा। इसी दौरान कूलर में करंट उतर आने से वह उससे चिपक गया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही निवाड़ी रोड चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक बृजपाल सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए तौलिये की मदद से किशोर को करंट की चपेट से सुरक्षित बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इलाज के बाद किशोर की हालत सामान्य बताई गई। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर युवक को उनके सुपुर्द कर दिया। इस साहसिक कार्य के लिए स्थानीय लोगों ने मोदीनगर पुलिस की जमकर सराहना की।

स्कूलों के आसपास नशे की दुकानों पर लगेगी रोक, ड्रग माफियाओं पर कसेगा शिकंजा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने और विद्यार्थियों को सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में एडीएम सिटी विकास कश्यप की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में नारको को-ऑर्डिनेशन सेंटर की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में एडीएम सिटी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यालयों के निर्धारित दायरे में शराब, तंबाकू, गुटखा, सिगरेट एवं अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री किसी भी स्थिति में न हो। उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रावण मास को देखते हुए मादक पदार्थों की तस्करी, खरीद-फरोख्त और ड्रग ट्रैफिकिंग के खिलाफ अभियान को और तेज किया जाए। अंतर्राज्यीय सीमाओं पर निगरानी बढ़ाने, खुफिया तंत्र को मजबूत करने तथा सभी विभागों के समन्वय से ड्रग माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों पर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाने, विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद, चित्रकला, स्लोगन एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित कराने तथा कोडिन की अवैध खरीद-फरोख्त पर प्रभावी रोक लगाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में स्वास्थ्य, पुलिस, नारकोटिक्स सेल, खाद्य, शिक्षा, समाज कल्याण, वन एवं यातायात विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ पवन सिंघल को कार्यकताओं ने दी जन्मदिवस की शुभकामनाएं

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। क्षेत्रवासियों एवं भाजपा के कार्यकताओं ने वरिष्ठ नेता डॉ पवन सिंघल का जन्म दिवस धूमधाम के साथ मनाया। इस मौके पर कार्यकताओं ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर एवं उन्हें मिठाई खिलाकर जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी और उनकी दीघार्यु की कामना की। डॉ पवन सिंघल ने शुभकामना देने वाले क्षेत्र वासियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया शुभकामनाएं देने वालों में पूर्व दर्जा राज्य मंत्री रामकिशोर अग्रवाल, उद्यमी डॉक्टर मुकेश गर्ग, आई आई ए मोदीनगर चैप्टर के अध्यक्ष उद्यमी राज ढींगरा डॉक्टर विनय मित्तल, हनुमंत कथा व्यास अरविंद भाई ओझा श्रीमती पूनम ओझा, स्वदेश जैन अरविंद अग्रवाल, टेंपल व्यापारी नेता प्रदीप बॉस, आकाश शर्मा, डॉ कपिल शर्मा ,आर सी शर्मा, डॉक्टर गौरव भाटिया, हरपाल सिंह आदि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता थे।

आरकेजीआईटी और आईआईटी मंडी का समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर, विद्यार्थियों का भविष्य होगा मजबूत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। तकनीकी शिक्षा को वैश्विक स्तर की गुणवत्ता से जोड़ने और विद्यार्थियों को भविष्य की उभरती तकनीकों के लिए तैयार करने की दिशा में राज कुमार गोयल प्रौद्योगिकी संस्थान (आरकेजीआईटी), गाजियाबाद ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) विषय में माइनर डिग्री कार्यक्रम संचालित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के माध्यम से आरकेजीआईटी के पात्र विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान से उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। समझौता ज्ञापन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता में यह विशेष माइनर डिग्री कार्यक्रम छह सेमेस्टर तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान प्रत्येक सेमेस्टर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित एक विषय का पाठ्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी द्वारा तैयार किया जाएगा तथा वहीं के विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत परीक्षा, मूल्यांकन और शैक्षणिक गुणवत्ता की पूरी जिम्मेदारी भी आईआईटी मंडी की होगी। सफलतापूर्वक सभी छह सेमेस्टर पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी की ओर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता में माइनर डिग्री प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। आईआईटी मंडी परिसर में आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में आईआईटी मंडी की ओर से प्रो. तुषार जैन, विभागाध्यक्ष (कंप्यूटर एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग) तथा आरकेजीआईटी की ओर से कार्यकारी निदेशक डॉ. डी.के. चौहान एवं मान्यता अधिष्ठाता डॉ. रामेंद्र सिंह उपस्थित रहे। दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने इस सहयोग को तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर आरकेजीआईटी के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने कहा कि यह शैक्षणिक सहयोग विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होने वाली तकनीकों में शामिल है और आने वाले वर्षों में लगभग हर क्षेत्र में इसकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। ऐसे समय में विद्यार्थियों को देश के अग्रणी तकनीकी संस्थान से इस विषय की उन्नत शिक्षा प्राप्त होना उनके करियर के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता,

मासूम से दरिंदगी का अंजामः दोषी को 20 साल की सख्त कैद, ऑपरेशन कन्विक्शन से मिली कड़ी सजा

श्री सतीश शर्मा, विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) | आरक्षी प्रताप सिंह, पैरोकार कन्विक्शन सेल | आरक्षी राधेश्याम, पैरोकार थाना साहिबाबाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के मामले में दोषी को कड़ी सजा दिलाई गई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) कोर्ट संख्या-2, गाजियाबाद ने अभियुक्त रामशंकर यादव को 20 वर्ष के सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2018 में थाना साहिबाबाद क्षेत्र में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना के बाद मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक शीलेन्द्र सिंह ने साक्ष्यों के आधार पर की, जबकि पुलिस आयुक्त के निर्देशन में गठित कन्विक्शन सेल और विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) सतीश शर्मा ने न्यायालय में प्रभावी पैरवी की। प्रभावी विवेचना, ठोस साक्ष्यों और मजबूत पैरवी के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 50 हजार रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई। गाजियाबाद पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत गंभीर अपराधों में दोषियों को शीघ्र और कड़ी सजा दिलाने का अभियान लगातार जारी है।

एमएमजी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की खुली पोल, ब्लड बैंक से लेकर ओपीडी और डेंगू वार्ड तक परखी व्यवस्थाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिला एमएमजी अस्पताल में शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत उस समय सामने आ गई, जब मेरठ मंडल के अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. मनोज सेन ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ब्लड बैंक में स्थापित हेल्थ एटीएम मशीन मौके पर चालू नहीं हो सकी, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, इमरजेंसी, डेंगू वार्ड तथा निमार्णाधीन क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी जायजा लिया। निरीक्षण की शुरूआत ब्लड बैंक से हुई, जहां डॉ. मनोज सेन ने मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी त्वरित जांच सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगाई गई हेल्थ एटीएम मशीन को चलवाने के निर्देश दिए। काफी प्रयासों के बावजूद मशीन लगभग पांच मिनट तक शुरू नहीं हो सकी। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मशीन चालू कराने का प्रयास करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। इस स्थिति पर अपर निदेशक ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मरीजों की सुविधा के लिए स्थापित मशीनें केवल प्रदर्शन की वस्तु नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनका नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने ब्लड बैंक प्रभारी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को मशीन हर समय कार्यशील रखने के निर्देश दिए। इसके बाद अपर निदेशक ने हाल ही में वर्षा के कारण प्रभावित हुए अस्पताल के उन वार्डों का निरीक्षण किया, जहां छत से संबंधित समस्याएं सामने आई थीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मरम्मत कार्य की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूरे किए जाएं। डॉ. मनोज सेन ने अस्पताल की बा' रोगी सेवा (ओपीडी) और आपातकालीन विभाग का भी निरीक्षण किया तथा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में निमार्णाधीन 100 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्य में हो रही देरी के कारणों की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना को 31 जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अपर निदेशक ने समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डेंगू वार्ड का भी दौरा किया और भर्ती मरीजों से उपचार एवं सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।

ब्राह्मण महासभा का विस्तार ग्राम स्तर तक किया जाएगा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की बैठक में ब्राह्मण महासभा का विस्तार किए जाने पर चर्चा की गई । राष्ट्रीय महासचिव शिव मोहन भारद्वाज ने बताया कि अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की बैठक में ब्राह्मण महासभा का विस्तार किए जाने के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित बी डी शर्मा ने कहा कि सभा के सभी प्रदेश अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों की एक बैठक बैठक नियत स्थान पर आयोजित की जाएगी।

जिसका विषय होगा कि ब्राह्मण महासभा गांव की तरफ कैसे चले ग्रामीण स्तर तक सभा के विस्तार कैसे हो इस विषय पर चर्चा की जाएगी । सर्वप्रथम यह प्रयोग उत्तर प्रदेश में किया जाएगा । उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष माननीय त्रिभुवन शर्मा जी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पंडित प्रमोद पांडे से इस विषय में वातार्लाप की जाएगी कि गांव में सभा का विस्तार कैसे किया जाए फिर एक कार्यक्रम बनाया जाएगा जिसमें राष्ट्रीय पदाधिकारियों में से प्रत्येक में को एक-एक प्रांत का प्रभारी नियुक्त किया जाएगा। वह प्रभारी अपने प्रांत में सभा को सक्रिय करने का प्रयास करेगा और उसकी रिपोर्ट राष्ट्रीय कार्यालय में प्रेषित किए करेग इस कार्यक्रम के लिए शीघ्र एक मीटिंग का आयोजन किया जाएगा।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 52 दंत चिकित्सकों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

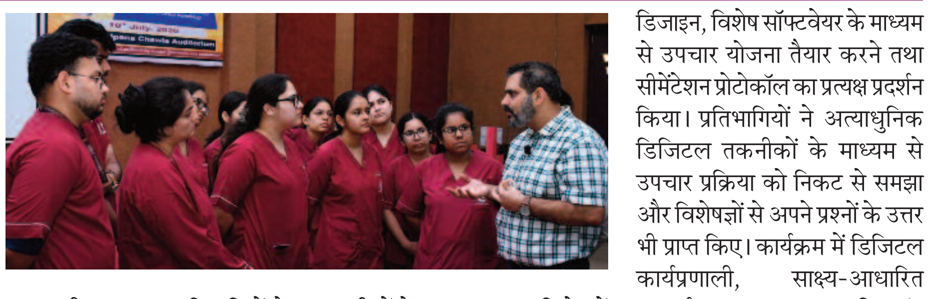

गाजियाबाद। आधुनिक दंत चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार हो रहे तकनीकी नवाचारों को चिकित्सकों और विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल इंप्लांटोलॉजी विभाग द्वारा शुक्रवार को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी विषय पर एक दिवसीय ज्ञानवर्धक एवं व्यावहारिक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। वैज्ञानिक व्याख्यानों और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण से सुसज्जित इस कार्यशाला में 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संस्थान के दंत चिकित्सक तथा स्नातकोत्तर (एमडीएस) के विद्यार्थी शामिल रहे। कार्यशाला का उद्देश्य आधुनिक इंप्लांट तकनीकों की गहन जानकारी प्रदान कर प्रतिभागियों के क्लीनिकल कौशल को और अधिक सशक्त बनाना था। कार्यशाला का संचालन देश के प्रतिष्ठित कॉर्टिको-बेसल इंप्लांटोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. सचिन देव एवं उनकी विशेषज्ञ टीम ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी, इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल तथा जटिल परिस्थितियों में सफल इंप्लांट उपचार की नवीनतम तकनीकों से अवगत कराया। विशेषज्ञों ने बताया कि कॉर्टिकल इंप्लांटोलॉजी उन मरीजों के लिए अत्यंत प्रभावी विकल्प है, जिनकी हड्डियों की संरचना कमजोर होती है और जहां पारंपरिक इंप्लांट तकनीक अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाती। कार्यशाला के दौरान प्रो. डॉ. सचिन देव ने कॉर्टिको-बेसल इंप्लांट के प्रोस्थेटिक कार्यप्रवाह, आधुनिक सामग्री विज्ञान, डिजिटल प्रोस्थेटिक डिजाइन, विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपचार योजना तैयार करने तथा सीमेंटेशन प्रोटोकॉल का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों के माध्यम से उपचार प्रक्रिया को निकट से समझा और विशेषज्ञों से अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। कार्यक्रम में डिजिटल कार्यप्रणाली, साक्ष्य-आधारित पुनर्स्थापन उपचार तथा आधुनिक दंत चिकित्सा में तकनीक के बढ़ते महत्व पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि बदलते समय में दंत चिकित्सकों के लिए नवीनतम तकनीकों और वैज्ञानिक शोधों से लगातार अद्यतन रहना आवश्यक है, ताकि मरीजों को विश्वस्तरीय और सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

निवाड़ी में रालोद के वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी के सम्मान में 12 जुलाई को सम्मान समारोह

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोक दल द्वारा वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद के.सी. त्यागी को पार्टी के संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष मनोनीत किए जाने के उपलक्ष्य में 12 जुलाई को निवाड़ी स्थित मयंक त्यागी फार्म हाउस में सम्मान समारोह एवं मैंगो पार्टी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4 बजे होगा। आयोजकों ने बताया कि समारोह में के.सी. त्यागी का सम्मान किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक दल के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी के वरिष्ठ नेता के सम्मान के साथ-साथ कार्यकताओं के बीच संवाद एवं संगठनात्मक एकजुटता को भी बल मिलेगा। आयोजकों राकेश त्यागी एवं मयंक त्यागी ने क्षेत्रवासियों और पार्टी कार्यकताओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर समारोह की गरिमा बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सभी के लिए आपसी सौहार्द एवं मिलन का अवसर होगा।

गाजियाबाद पुलिस में बड़ा फेरबदल, एसीपी अभिषेक को विदाई... चार नए अफसरों का स्वागत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद में शुक्रवार को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव के स्थानांतरण के अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में पुलिस आयुक्त एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कमिश्नरेट गाजियाबाद में नवागत सहायक पुलिस आयुक्त रामकिशन, सुनील कुमार, शुचिता सिंह और शैलेंद्र कुमार सिंह का पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

अधिकारियों ने सभी नवागत एसीपी को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त नगर, ग्रामीण एवं यातायात सहित कमिश्नरेट के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने अभिषेक श्रीवास्तव के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके योगदान को याद किया तथा विश्वास जताया कि नवागत अधिकारी भी अपनी कार्यकुशलता से कमिश्नरेट की कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाएंगे। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

बारिश बना काल: पानी से भरे गड्ढे में डूबकर 6 वर्षीय मासूम पोलू की दर्दनाक मौत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना अंकुर विहार क्षेत्र के मिल्क गांव के पास झुग्गियों में रहने वाले 6 वर्षीय मासूम पोलू की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। लगातार हुई बारिश के कारण गड्ढे में पानी भर गया था, जिसमें गिरने से बच्चा डूब गया।

बताया गया कि पोलू मंगलवार शाम से लापता था। परिजन पूरी रात उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। गुरुवार को गड्ढे में उसका शव मिला। काफी देर तक पानी में रहने के कारण शव फूलकर ऊपर आ गया था।

मृतक के माता-पिता कूड़ा बीनने का काम करते हैं। बेटे की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में खुले और पानी से भरे गड्ढों को हादसों का कारण बताते हुए उन्हें तत्काल भरवाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

गाजियाबाद के हर युवा को मिलेगा 'माय भारत' से जुड़ने का मौका, सीडीओ ने चलाया महापंजीकरण अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद में युवाओं को केंद्र सरकार की योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और स्वयंसेवी अवसरों से जोड़ने के लिए माय भारत (MY Bharat) पोर्टल पर व्यापक पंजीकरण अभियान चलाया जाएगा। शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) कुमार सौरभ की अध्यक्षता में आयोजित जिला समन्वय समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

सीडीओ ने सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में अधिक से अधिक युवाओं का पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया, ताकि जनपद का कोई भी पात्र युवा सरकार की योजनाओं और अवसरों से वंचित न रहे।

जिला युवा अधिकारी एकता मिश्रा ने विभागों एवं स्वयंसेवकों से अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में उद्योग, शिक्षा, समाज कल्याण, खेल, कौशल विकास, एनएसएस, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, रेडक्रॉस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा जनपद के सभी 10 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।

जनता दर्शन में डीएम का अल्टीमेटम: पात्रों को हर हाल में मिले योजनाओं का लाभ, भूमाफियाओं पर चलेगा अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने आमजन की समस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनसुनवाई में राजस्व, विद्युत, स्वास्थ्य, निर्माण समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। डीएम ने भूमि विवादों का निस्तारण पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम से मौके पर जाकर कराने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध कब्जाधारियों और भूमाफियाओं के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने को कहा।

उन्होंने दिव्यांगजनों को पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, ई-व्हीकल सहित सभी सरकारी योजनाओं से जोड़ने, विरासत के आधार पर लंबित शस्त्र लाइसेंस आवेदनों का प्राथमिकता से निस्तारण करने तथा पीएम सूर्य घर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक परिवारों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग को आरटीई के तहत सभी पात्र बच्चों का शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए डीएम ने कहा कि किसी भी पात्र आवेदक का लाभ नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता का उत्पीड़न और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनता दर्शन के दौरान एडीएम (ई) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राजनगर रेलवे क्रॉसिंग की बदलेगी तस्वीर, अंडरपास निर्माण की तैयारी शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर योजना सेक्टर-2 के सामने स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर वर्षों से लगने वाले जाम से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने यहां अंडरपास निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। जीडीए उपाध्यक्ष ने शुक्रवार को स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को सर्वे, तकनीकी परीक्षण और विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने रेलवे फाटक पर रोजाना लगने वाले जाम की समस्या से अवगत कराया। उपाध्यक्ष ने मौके पर यातायात व्यवस्था का जायजा लिया और पाया कि फाटक बंद होने पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे लोगों का काफी समय बर्बाद होता है और आवागमन प्रभावित रहता है।

जीडीए उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर अंडरपास निर्माण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। अंडरपास बनने से राजनगर, कविनगर, शास्त्री नगर, आरडीसी, यूपीएसआईडीसी और आसपास के क्षेत्रों के लाखों लोगों को जाम से राहत मिलेगी तथा यातायात अधिक सुगम और सुरक्षित होगा। उपाध्यक्ष ने कहा कि जीडीए शहर में बेहतर यातायात व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए आधारभूत विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रहा है।

रिश्तों का कत्ल: दामाद ने ससुर पर किए ताबड़तोड़ चाकू से वार, अस्पताल में तोड़ा दम

कपिल चौहान

मोदीनगर। थाना मोदीनगर क्षेत्र के फफराना रोड पर गुरुवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना में करीब 60 वर्षीय अनार सिंह की चाकू से किए गए हमले में मौत हो गई। आरोप है कि उन पर उनके दामाद ने चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल अनार सिंह को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर उसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है। वहीं घटना के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

बारिश के जलभराव में ट्रांसफार्मर के करंट से युवक की मौत, विभाग व ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में बारिश के दौरान हुए जलभराव के बीच ट्रांसफार्मर के पास करंट लगने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। घटना 9 जुलाई 2026 की शाम करीब 4 बजे की है। सूचना मिलते ही इंदिरापुरम पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस जांच में मृतक की पहचान नरेन्द्र काछी, मूल निवासी मध्य प्रदेश, के रूप में हुई। बताया गया कि वह जलभराव के बीच किनारे से गुजर रहा था, तभी ट्रांसफार्मर के पास फैले करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित विभाग एवं ठेकेदार के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कांवड़ यात्रा से पहले ट्रांसपोर्टरों पर सख्ती, नो-एंट्री तोड़ी तो वाहन होगा सीज

कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों की एंट्री बंद, ट्रांसपोर्टरों को पुलिस की दोटूक चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 के मद्देनजर गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने ट्रांसपोर्ट एसोसिएशनों के पदाधिकारियों के साथ समन्वय गोष्ठी आयोजित कर यातायात व्यवस्था को लेकर अहम दिशा-निर्देश जारी किए। पुलिस उपायुक्त (यातायात) की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों और मालवाहक संघों के प्रतिनिधियों को यात्रा के दौरान लागू होने वाले रूट डायवर्जन और नो-एंट्री नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में स्पष्ट किया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान चिन्हित मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सभी ट्रांसपोर्टरों को यातायात पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक रूट प्लान का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। यातायात पुलिस ने बताया कि लाल कुआं चौराहे पर प्रतिदिन शाम के समय भारी वाहनों की नो-एंट्री व्यवस्था लागू रहेगी। कांवड़ यात्रा के दौरान जरूरत पड़ने पर अन्य व्यस्त समय में भी भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी, जिससे कांवड़ियों का आवागमन सुरक्षित और सुचारु बना रहे। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि प्रतिबंधित समय या मार्ग पर ट्रक, डंपर और अन्य भारी वाहन मिलने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत भारी जुमार्ना लगाया जाएगा और वाहन सीज करने की कार्रवाई भी की जाएगी। बैठक में ट्रांसपोर्टरों ने अपनी समस्याएं भी अधिकारियों के सामने रखीं, जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया। अंत में यातायात पुलिस ने सभी नागरिकों, व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों से कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और जाममुक्त बनाने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।